राजस्थान का तेजी से लोकप्रिय होता अखबार

जयपुर, बुधवार, 28 जनवरी, 2026

राज्य सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

सुविचार

किसी का अपमान करने से पहले एक बार अवश्य सोचना चाहिए,
उसके स्थान पर यदि आप होते तो कैसा लगता।

हमारा समाचार

@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
@hamarasamachar
9461162346

दैनिक | वर्ष - 12 अंक: 242 | प्रातः कालीन | मूल्य: 3.00 रुपए | पृष्ठ: 8 | hamarasamachar02@gmail.com

भारत-यूरोपियन यूनियन के बीच 18 साल बाद ट्रेड डील

इम्पोर्टेड लग्जरी कारों पर टैरिफ 110% से घटकर 10%, प्रीमियम शराब पर 150% की जगह 20% टैक्स

हमारा समाचार

नई दिल्ली । भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच 18 साल की लंबी बातचीत के बाद मंगलवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो गया है। भारत और यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने मंगलवार को 16वें भारत-श्व समिट के दौरान इसका ऐलान किया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस समझौते को 2027 में लागू किए जाने की संभावना है।

इस डील के बाद भारत में यूरोपीय कारें जैसे कि मर्सिडीज पर लगने वाले टैक्स को 110' से घटाकर 10' कर दिया जाएगा। इसके अलावा भारत में यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर टैक्स कम हो सकता है। यूरोपीय देशों की शराब पर अभी 150' टैरिफ लगता है। इसे घटाकर 20-30' किया जाएगा। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि श्व दूसरी सबसे बड़ी। दोनों मिलकर वैश्विक का करीब 25' और दुनिया के कुल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखते हैं।

उर्सुला बोलीं- FTA से 43 हजार करोड़ के टैरिफ कम होंगे

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से हर साल करीब 4 अरब यूरो (43 हजार करोड़ रुपए) के टैरिफ कम होंगे और भारत व यूरोप में लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए मौके बनेंगे। उन्होंने कहा कि भारत-EU फ्री ट्रेड एग्रीमेंट दुनिया को साफ संदेश देता है कि आज की ग्लोबल चुनौतियों का सबसे अच्छा जवाब आपसी सहयोग है, न कि अलग-थलग होकर फैसले लेना।

मोदी बोले- 27 तारीख को 27 देशों के साथ FTA

भारत-यूरोपीय फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट पर पीएम मोदी ने कहा कि 27 जनवरी को भारत ने यूरोप के 27 देशों के साथ यह FTA साइन किया है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा, नई इनोवेशन साझेदारियां बनेंगी और वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन मजबूत होगी। यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि का रोडमैप है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस समझौते के तहत भारत और यूरोपीय संघ मिलकर इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया में वैश्विक व्यवस्था को लेकर उथल-पुथल है, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार बहुत जरूरी हो गया है। इसके बाद पीएम मोदी ने इंडिया-EU बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में व्यापार तकनीक और रेयर खनिजों को हथियार बनाकर इनका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है, इसलिए भारत और EU को मिलकर अपनी निर्भरता कम करनी चाहिए।

कोस्टा बोले- गोवा से जुड़ी पहचान मेरे लिए गर्व की बात

यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने खुद को प्रवासी भारतीय बताया। उन्होंने कहा कि मैं यूरोपीय परिषद का अध्यक्ष हूं, लेकिन साथ ही मैं एक ओवरसीज इंडियन सिटिजन भी हूं। इसलिए, जैसा आप समझ सकते हैं, मेरे लिए इसका एक खास भावनात्मक मतलब है।

पंचायत-निकाय चुनाव की माइक्रो लेवल तैयारी में जुटी कांग्रेस

जयपुर में 'पंचायती राज सशक्तिकरण सम्मेलन' आज, मनरेगा संग्राम से जुड़ेगा चुनावी अभियान

हमारा समाचार

जयपुर । कांग्रेस पार्टी आगामी पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनावों को लेकर जमीनी स्तर पर व्यापक तैयारी में जुट गई है।बिड़ला ऑडिटोरियम में 28 जनवरी को सुबह 11 बजे से पंचायती राज सशक्तिकरण सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन के जरिए कांग्रेस अपने विभाग राजीव गांधी पंचायती राज संगठन और प्रधान संघ को पूरी तरह सक्रिय कर पंचायत व निकाय चुनाव की माइक्रो-लेवल रणनीति पर काम करेगी। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी.बी. यादव ने बताया- सम्मेलन में प्रदेशभर से कांग्रेस विचारधारा से जुड़े पंचायती राज जनप्रतिनिधि और संभावित प्रत्याशी शामिल होंगे। यहां चुनावी प्रशिक्षण, रणनीति साझा करने, पंचायत चुनाव को मनरेगा संग्राम से जोड़ने और पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। प्रभावी चुनावी रणनीति तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा सम्मेलन में सिविल सोसाइटी से जुड़े जन संगठनों, विषय विशेषज्ञों और पंचायती राज में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सफल स्थानीय नेताओं के अनुभव साझा किए जाएंगे।

इसके माध्यम से जनप्रतिनिधियों को जनता से सीधा संवाद स्थापित करने और प्रभावी चुनावी रणनीति तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सम्मेलन को कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंद्र सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनील पंवार, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ओर से पदयात्राएं निकाली गई। इसके माध्यम से कांग्रेस की रचनात्मक राजनीति को गांव-गांव तक पहुंचाया गया। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ओर से पदयात्राएं निकाली गई। इसके माध्यम से कांग्रेस की रचनात्मक राजनीति को गांव-गांव तक पहुंचाया गया।

ग्राम चौपाल, जनसुनवाई, पदयात्राएं, संविधान परिचर्चाएं, प्रभात फेरियां की आयोजित

डॉ. सी.बी. यादव ने बताया- संगठन पिछले दो वर्षों से लगातार जमीनी स्तर पर सक्रिय है। ग्राम चौपाल, जनसुनवाई, पदयात्राएं, संविधान परिचर्चाएं, प्रभात फेरियां और मनरेगा साइटों पर श्रमिक संवाद जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से कांग्रेस की रचनात्मक राजनीति को गांव-गांव तक पहुंचाया जा रहा है। अब तक प्रदेश के सभी जिलों में दो दिवसीय आवासीय सर्वोदय संकल्प शिविर और अधिकांश ब्लॉकों में एक दिवसीय स्वराज प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा- जयपुर में आयोजित स्वराज संसद और स्वराज बचाओ रैली ने पंचायती राज के मुद्दों को प्रदेश स्तर पर नई मजबूती दी।

सीबी यादव बोले- मनरेगा से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने की ठोस रणनीति तैयार होगी

डॉ. सी.बी. यादव ने बताया- कांग्रेस नेतृत्व ने निर्देश दिए हैं कि अधिक से अधिक गांवों में ग्राम चौपाल और मनरेगा संग्राम पहुंचाया जाए। इस दौरान कार्यकर्ताओं की परफॉर्मेंस का आकलन किया जाएगा और जनता के बीच प्रभावी काम करने वाले नेताओं को पंचायत व निकाय चुनावों में अवसर दिया जाएगा। उन्होंने कहा- मनरेगा संग्राम के जरिए गांव-गांव और ढाणी-ढाणी तक मनरेगा कानून की कमियों और केंद्र सरकार की नीतियों के प्रभाव को जनता के सामने रखा जा रहा है। जयपुर सम्मेलन में सिविल सोसाइटी के साथ मिलकर मनरेगा से जुड़े मुद्दों को और प्रभावी ढंग से उठाने की ठोस रणनीति तैयार की जाएगी।

UGC के नए नियम से BJP में 'बगावत': लगी इस्तीफों की झड़ी, बताया 'काला कानून'

यूजीसी के नये नियम को लेकर देश भर में विरोध

हमारा समाचार

नई दिल्ली । उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए यूजीसी के नए नियमों (रेगुलेशन 2026) ने भारतीय जनता पार्टी के अंदर नाराजगी का माहौल बना दिया है. 'सबका साथ-सबका विकास' का नारा देने वाली मोदी सरकार अब अपने ही कैडर के गुस्से का सामना कर रही है. हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली तक इस्तीफों की झड़ी लग गई है. सरकार के मंत्री और सांसद की 'सफाई' भी काम नहीं आ रही है.

उत्तर प्रदेश बना बगावत का केंद्र

यूजीसी के इस नए नियम को बीजेपी के ही जमीनी नेता 'ब्लैक लॉ' (काला कानून) करार दे रहे हैं. नोएडा में बीजेपी युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष राजू पंडित ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि यह कानून भेदभावपूर्ण है. वहीं, लखनऊ में बगावत और गहरी हो गई जब मंडल महामंत्री सहित 11 पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफा सौंप दिया.

यूजीसी के नियम का विरोध.

बगावत की यह आग रायबरेली और श्रावस्ती तक फैल गई है, जहां किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष श्याम सुंदर त्रिपाठी और बीजेपी टीचर्स सेल के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर ने पदों को लात मार दी. सरकारी महकमे में भी इसकी धमक दिखी, जब बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने सवर्ण छात्रों के अधिकारों का हनन बताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया.

सफाई में जुटे शिक्षा मंत्री, पार्टी प्रवक्ता मौन

हालात बिगड़ते देख शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और सांसद निशिकांत दुबे ने मंगलवार को सफाई देने की कोशिश की. शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा. बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि गलतफहमियां दूर होंगी. हालांकि बीजेपी के कोई भी प्रवक्ता इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से बच रहे हैं.

विधायकों के तीखे सुर और कुमार विश्वास का तंज

बीजेपी के अंदरुनी हालात इतने खराब हैं कि पार्टी के विधायक भी अब खुलकर सरकार के 'दोहरे मापदंड' पर सवाल उठा रहे हैं. बीजेपी विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने नियमों में तुरंत संशोधन की मांग की है. वहीं, अक्सर सरकार की तारीफ करने वाले कवि कुमार विश्वास ने भी इस मुद्दे पर तंज कसते हुए सरकार को आईना दिखाया है, जिससे बीजेपी की फजीहत और बढ़ गई है. इस पूरे विवाद में बीजेपी की छात्र शाखा एबीवीपी की स्थिति 'सांप-छछूंदर' जैसी हो गई है. संगठन ने दबी जुबान में नियमों को 'संतुलित' करने की मांग की है. दूसरी ओर, विपक्षी खेमे की एनएसयूआई ने इन नियमों का स्वागत कर बीजेपी को वैचारिक रूप से और भी मुश्किल में डाल दिया है. कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने संसद के बजट सत्र से पहले चुटकी लेते हुए कहा, 'बीजेपी के अंदर ही भीषण युद्ध छिड़ा है

सर्वदलीय बैठक: जूली ने सीएम की गैर-मौजूदगी पर उठाए सवाल

हमारा समाचार

जयपुर । राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक को लेकर सियासी बयानबाजी ने राजनीतिक गतिविधियों को तेज कर दिया है. सत्ता पक्ष और विपक्ष के शीर्ष नेताओं की बैठक में अनुपस्थिति ने राजनीतिक कटाक्षों को और बढ़ावा दिया है. बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के बीच तीखे आरोप-प्रत्यारोप सामने आए. विपक्ष ने मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति को सरकार की 'गंभीरता की कमी' बताया, जबकि सत्ता पक्ष ने कांग्रेस नेतृत्व पर गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाने का आरोप लगाया. नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए चिंता जताई. जवाब में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में व्यस्त थे, लेकिन क्या कांग्रेस अध्यक्ष के लिए सर्वदलीय बैठक से अधिक एक हीरोइन के कार्यक्रम में शामिल होना अधिक महत्वपूर्ण था, जिससे वे इस बैठक में नहीं आए. नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य बजट सत्र को सुचारू और सार्थक बनाना होता है,

बनास नदी पूल पर खड़े कंटेनर को ट्रेलर ने मारी टक्कर

हमारा समाचार

टोंक । मंगलवार की रात टोंक से गुजरते नेशनल हाइवे 52 पर बनास नदी पुल पर ब्रेक डाउन होकर खड़े कंटेनर को तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी जिससे टक्कर के बाद कंटेनर बनास नदी के पुल के रेलिंग को तोड़कर नदी में जा लटका वही टक्कर के बाद ट्रेलर की केबिन में 1युवक फंस गया जिसे पुलिस ने क्रेन मंगवाकर निकालने के प्रयास शुरू कर दिया है इस दुर्घटना में गनीमत यह रही कि जिस कंटेनर के टक्कर लगी और जो बनास में लटका उसमें कोई मौजूद नही था वही मौके पर इसी दौरान कोई राहगीर लटके हुए कंटेनर को देखते समय संतुलन बिगड़ जाने के कारण बनास नदी के पूल से बनास नदी में जा गिरा जिसको टोंक सदर थाना पुलिस ने अस्पताल पंहुचाया है इस सड़क हादसे के बाद नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग गया जिसे पुलिस ने ट्रैफिक डाइवर्ट कर खुलवाया।

बजट सत्र: मनरेगा, विदेश नीति और कई अन्य मुद्दों को उठाएगा विपक्ष

विपक्ष ने बजट सत्र को लेकर अपना एजेंडा साफ कर दिया है. कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की बनाई योजना.

हमारा समाचार

नई दिल्ली । कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को कहा कि बुधवार से शुरू हो रहे संसद के बजट सत्र में मनरेगा, मोदी सरकार की विदेश नीति, अमेरिकी शुल्क, डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट, वायु प्रदूषण और जनहित के कई अन्य विषयों को उठाया जाएगा. सरकार द्वारा आज बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में बजट सत्र को लेकर चर्चा की गई, हालांकि कांग्रेस ने इसे लेकर विरोध दर्ज कराया कि सरकार ने कोई विधायी एजेंडा सामने नहीं रखा है. सरकार का कहना है कि एजेंडा बाद में दिया जाएगा, क्योंकि सत्र का पहला भाग राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए जाने वाले धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा और केंद्रीय बजट पर चर्चा पर केंद्रित होगा. बैठक के बाद राज्यसभा में कांग्रेस के सचेतक सैयद नासिर हुसैन ने कहा, 'आज की बैठक में बजट सत्र के पहले हिस्से को लेकर चर्चा की गई। मनरेगा के मुद्दे को पहले हिस्से में उठाया जाएगा। हम एसआईआर का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाएंगे। पर्यावरण के मुद्दों अरावली और ग्रेट निकोबार को भी उठाया जाएगा. ' **हुसैन ने कहा,** 'सरकार ने वादा किया है कि जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा, लेकिन अब तक नहीं हुआ. इसे भी उठाया जाएगा. विदेश नीति, अमेरिकी टैरिफ और कुछ अन्य विषयों को भी उठाया जाएगा. 'राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार संविधान से मिले अधिकारों को खत्म कर रही है और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है. उन्होंने कहा, 'विपक्ष विदेश नीति का विषय भी उठाएगा. हमारी विदेश नीति कहां पहुंच गई? कोई हमारे साथ खड़ा नहीं है. हमें यह भी नहीं पता चल रहा कि किसके साथ चलें, कौन हमारे साथ चलेगा.' उनका कहना था कि सरकार की आर्थिक नीति की बात करें तो रुपया सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है. **तिवारी ने कहा,** 'अमेरिका की ओर से लगातार टैरिफ जारी है और रूसी तेल (की खरीद) का मुद्दा भी है. दिल्ली और दूसरी जगहों पर हमने वायु प्रदूषण का जो सबसे भयानक रूप देखा है, उसे देखते हुए हम यह मुद्दा भी उठाएंगे... हम इंदौर में दूषित पानी से होने वाली मौतों का मुद्दा भी उठाएंगे. ' कांग्रेस नेता ने कहा कि मनरेगा का मुद्दा भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस योजना की जगह नया कानून लाकर न केवल इसके नाम से महात्मा गांधी का नाम हटाया गया है, बल्कि 'ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार खत्म किया जा रहा है. ' उन्होंने यह भी कहा कि इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली, 'वोट चोरी' और बेरोजगारी के मुद्दों को भी इस सत्र के दौरान उठाया जाएगा. कांग्रेस सांसद कोडिकुनिल सुरेश ने कहा कि विपक्ष की मांग है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को बहाल किया जाए. तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसद लावू श्रीकृष्ण देवरायालू ने कहा कि भारत जिन अलग-अलग मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर कर रहा है, उन पर चर्चा होनी चाहिए. उन्होंने हैदराबाद की तर्ज पर अमरावती को 'कानूनी दर्जा' देने की भी मांग की. बीजू जनता दल के सांसद सस्मित पात्रा ने कहा कि उनकी पार्टी 'ओडिशा में किसानों की परेशानी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था का विषय उठाएगी '.

बालाजी क्योर एंड केयर हॉस्पिटल प्रा. लि.
विश्वस्तरीय अत्याधुनिक 150 बेड मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
H-2025-1690

डॉ. पुनीत बंसल
MBBS MS (Gold medalist)
MCH Neurosurgery

ओपीडी परामर्श: 10 AM to 4 PM

- सिर में चोट
- मिर्गी के दौरे
- ब्रेन ट्यूमर
- सिरदर्द
- ब्रेन हेमरेज
- गर्दन का दर्द
- पीठ दर्द

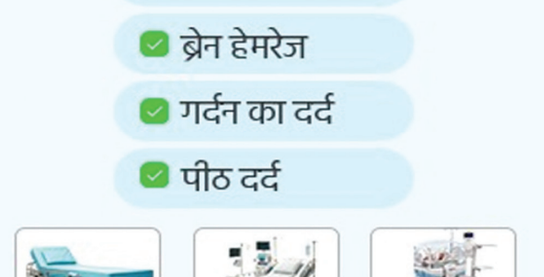

150 बेड्स फैसिलिटी फुली एयर कंडीशनर
40 बेड्स आईसीयू
9 बेड्स एनआईसीयू Infection Controlled Environment
मॉड्यूलर ओ.टी
एडवांस्ड कैथ लैब
24x7 सीटी स्कैन
24x7 इमरजेंसी

सभी प्रमुख टी.पी.ए. (TPA) व इंश्योरेंस द्वारा कैशलेस ईलाज के लिए मान्य!

Emergency services
+91-9216640633
Helpline Number
+91-9462134373
कनक विहार, सिरसी रोड, जयपुर

अस्पताल,स्कूल,सार्वजनिक चौक जाने वाला मुख्य सड़क पर गंदगी आलम विकास हुआ आवारा

ग्रामीणों की जुबानी,प्रशासन की नाकामी*कागजों में हुआ सफाई जैसा विकास

हमारा समाचार

सुमेरपुर। पंचायत समिति के ग्राम पंचायत खिंवादी के ग्रामीणों की जुबानी सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे । यहां सबसे बड़ी ग्राम पंचायत स्थित है जहां लोग अपना कैसे निवास,और सड़कों से आवाजाहीं कर रहे हैं वो ग्रामीण ही जानते हैं। ग्रामीणों ने मुश्किल भरे 5 वर्ष कैसे बिताए हैं उनकी समस्या सुनने वाला कोई मिला ही नहीं।लोगों ने गांव का मुख्य चुना तब उनको ढेर सारी उम्मीदें थी,लेकिन उन उम्मीदों पर गांव की तस्वीर देखकर पानी फिरता नजर आ रहा है। यही नहीं स्वच्छ भारत मिशन की ध्वज्जियां उड़ाई जा रही है। गलियों से लेकर सड़कों पर कीचड़ दलदल फैला हुआ है। उक्त कीचड से लोग अपना रोज का रास्ता तय कर मुश्किलों का सामना करने को मजबूर है। लेकिन बड़े मजे की बात है कि यहां पांच साल बीत चुके हैं, फिर भी लोग समस्याओं से जूझ रहे हैं उनकी फरियाद अब तक किसी ने नहीं सुनी। मुख्य सड़कों से लेकर गलियों के हाल बेहाल है,इस पर शासन और प्रशासन में आंखों पर काली पट्टी बांध रखी है। यहां पर हम नहीं ग्रामीण कहते हैं कि इस रास्ते से कई बार जनप्रतिनिधि व अफसर गाड़ियों से गुजरते हैं,उस दरमियांन उन्हें कीचड़ नजर नहीं आता है,क्योंकि उनके पास लग्जरी गाड़ियां होती हैं। ग्रामीणों ने कहां कि ग्राम पंचायत मुख्यालय होने के बावजूद भी 5 साल में विकास तो नहीं हुआ,उल्टा गांव नरक में चला गया है। ग्रामीण ने विकास पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि यहां बिल्कुल विकास नहीं हुआ है जिसका खामियाजा ग्रामीण भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि

खिवान्दी गांव में स्थित पिपली चौक, गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल जाने वाला मुख्य मार्ग पर कीचड़ ही कीचड़ फैला हुआ है। यहां पानी निकासी का अभाव,नाली चौक होने के कारण आए दिन गंदा पानी सड़क पर जमा हो रहा है। अस्पताल जाने वाले रास्ते पर नाली बनी हुई है वह पूरी तरह गलत तरीके से बनाई गई है, जिसका रास्ता सीधा निकलता है उस नाली को डिवाइड करके निकाला है। जिस तरफ नाली को डिवाइड किया है, उसी तरफ किसी का भी मकान का दरवाजा नहीं होने के कारण पीछे दीवारें चढ़ रही है तथा दीवारों में दरारें आ रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पानी निकासी नहीं होने के कारण मकानो के आसपास नाली का पानी सीधा मकान की निव में जाने के कारण मकान में दरारें आ रही है। ग्रामीणों ने कहा कि इस नाली को बंद करने के लिए तथा पानी निकासी की व्यवस्था कराने के लिए ग्राम पंचायत के साथ प्रशासन को कई बार शिकायत की गई,लेकिन 5 वर्ष तक किसी ने नहीं सुनी। ग्रामीणों ने उक्त नाली को

तुरंत प्रभाव से बंद करके नाली का सीधा रास्ता निकालने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जहां 2 फुट पर नाली बंद किया हुआ है उसको तुरंत खुलवाने की जरूरत है। आस पड़ोस में रहने वाले लोगों ने कहा कि अगर मकान को कुछ भी नुकसान होता है तो ग्राम पंचायत प्रशासन जिम्मेदार होगा।

ग्रामीणों की जुबानी,प्रशासन की नाकामी

उन्होंने कहा कि गांव में गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल वाली गली में कीचड़ ज्यादा होने के कारण मरीजो को आने-जाने में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण हितेश रावल,कार्तिक राय, देवी चंद शर्मा, मंगू बाई जैन ने बताया कि वार्ड नंबर 7 आयबिल खाता गली पिपली चौक पर ही सारे नेता भी भाषण देते हैं। यहां से मात्र पांच फीट की दूरी पर गंदगी आलम है। इस रास्ते से गुजरने वाले मरीज और ग्रामीणों की बहुत बड़ी कठिन समस्या है।यह मुख्य रास्ता है इसी रास्ते पर अस्पताल, विद्यालय मौजूद है, जहां स्कूल के बच्चे भी परेशान होते हैं। 5 साल के अंदर इस समस्या का समाधान होना तो दूर है परंतु इससे दुगना कीचड़ गंदगी का आलम फैला हुआ है। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन की नाकामी बताई है,और उन्होंने कहा कि नेता अवसर मिलकर यहां 5 मिनट रुक कर बताइए । भगवान आपका भला करेगा ऐसे ललकारा है। ग्रामीणों ने बताया कि सफाई धरातल पर नहीं,कागजों में ही स्वच्छ भारत मिशन अभियान चलाया गया है,जिसका उदाहरण सबके सामने है। इस फोटो को देखकर प्रतीत होता है कि वास्तव में स्वच्छ भारत मिशन अभियान की खुलेआम ध्वज्जियां उड़ाई जा रही है।

स्वच्छता के नाम पर लाखों खर्च

ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों से इस समस्या का सामना कर रहे हैं। प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत कराया फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की स्वच्छ भारत मिशन योजना के अंतर्गत साफ सफाई के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं,फिर भी लोग गंदगी में जिंदगी गुजारने को मजबूर है।

खेत में पानी दे रहे किसान पर रात में बघरे ने किया हमला ग्रामीणों ने दिया ज्ञापन

हमारा समाचार

थानागाजी अलवर । थानागाजी केगढ़ बस्सी गांव खेत में पानी दे रहे किसान पर रात में बघरे ने किया हमला ग्रामीणों ने दिया ज्ञापन थानागाजी उप खंड अधिकारी सविता शर्मा को मुख्यमंत्री के नाम गढ़बस्सी के ग्रामीणों के दौरान ज्ञापन दिया गया है, ग्रामीणों ने ज्ञापन में लिखा है कि विद्युत विभाग खेतों में पानी देने के लिए जो बिजली की सप्लाई करता है वह रात्रि के अंदर करता है, और जंगली क्षेत्र के अंदर खेत होने के चलते जंगली जानवरों का वह उन्हें सताता रहता है, दात रात्रि भी खेत में पानी दे रहे हैं बुजुर्ग को बघेरा अपना शिकार बनना चाह रहा था ग्रामीणों ने ज्ञापन में लिखा है कि विद्युत विभाग खेतों में पानी देने के लिए जो बिजली की सप्लाई करता है वह रात्रि के अंदर करता है, और जंगली क्षेत्र के अंदर खेत होने के चलते जंगली जानवरों का वह उन्हें सताता रहता है, दात रात्रि भी खेत में पानी दे रहे हैं बुजुर्ग को बघेरा अपना शिकार बनना चाह रहा था, जैसे हीबघेरे ने किसान पर हमला किया वह वह चिल्ला पड़ा, खेतों में पानी तेरे आने किसानों ने भाग करके उसे बुजुर्ग को बचाया बुजुर्ग के हाथों पर पंजों के निशान दिखाई दे रहे हैं, ग्रामीणों ने बताया है कि अगर बिजली की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीण विभाग का घेराव करेंगे

कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा ने मधुर भजनों पर किया नृत्य

हमारा समाचार

थानागाजी अलवर । कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा ने मधुर भजनों पर किया नृत्य, थानागाजी के भाँगड़ोली गांव में चल रहे नौ दिवसीय यज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा कार्यक्रम में कृषि मंत्री डॉ किरोड़ी मीणा पहुंचे, ग्रामीणों के द्वारा कृषि मंत्री का ढोल नगाड़ा के साथ स्वागत किया गया, इस मौके पर डॉक्टर किरोड़ी मीणा ने संबोधित करते हुए बताया की समय-समय पर सामाजिक भावनाएं बनाए रखने के लिए धार्मिक कार्यक्रम अनुष्ठान यज्ञ करना जरूरी होता है इसे आपकी भाईचारा बना रहता है, इस मौके पर करीब 1 घंटे तक रुके कार्यक्रम में कृषि मंत्री ने श्रीमद् भागवत कथा श्रवण के दौरान जो मधुर भजन चल रहे थे उनके ऊपर नृत्य किया, ग्रामीणों की समस्याएं सुनी, कार्यक्रम में भाजपा जिला पदाधिकारी भी मौजूद, इसके पश्चात डॉक्टर किरोड़ी मीणा जयपुर के लिए रवाना हो गए, जयपुर जाने से पूर्व थानागाजी मे चक्रधारी एग्रोटेक गोपेश शर्मा पत्रकार की दुकान के आगे अपना वाहन रोककर थानागाजी में खाद बीज विक्रेताओं के बारे में चर्चा की एवं क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हो इसकी जानकारी जुटाई, और आसपास किया कि थानागाजी में अगर किसी प्रकार की कोई भी समस्या आती है तो सीधा फोन घुमा कर सुचना कर देना बाकी का काम मेरा है, इसके बाद कृषि मंत्री जयपुर के लिए रवाना हो गए इस मौके पर राजस्थान के कृषि एंव ग्रामीण विकास मंत्री डाक्टर किरोडीलाल मीणा के थानागाजी आगमन पर भाजपा नेता रोहिताश घांघल के नैतृत्व मे गुढा स्टैंड पर भाजपा कार्यकर्ताओ एंव ग्रामीणो ने स्वागत किया इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरीशंकर खंडेलवाल, रामेश्वर मीणा सरपंच, प्रियंका शर्मा मंडल अध्यक्ष किशोरी , मुकेश शर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष , नानकराम मीणा , रामधन मीणा ठेकेदार, पूरण सैनी ,राजू मीणा , कमल शर्मा , महेंद्र बोहरा , रमेश मीणा पूर्व सरपंच, श्रीकिशन मीणा , राजेश , गोपाल, राहुल सहित सैकडो महिला एंव पूर्व मौजूद रहे

वकीलों व कर्मचारियों की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ सुमेरपुर वकील मंडल ने जीत दर्ज कराई

हमारा समाचार

सुमेरपुर । वकील मंडल बाली के तत्वाधान में गणतंत्र दिवस के एक दिन पूर्व क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पाली जिले की विभिन्न बार एसोसिएशन के अलावा न्यायिक कर्मचारी,पुलिस थाना फालना व बाली कर्मचारियों व डिस्कॉम कर्मचारियों के साथ अन्य ने प्रतियोगिता में भाग लिया गया। इस दौरान सुमेरपुर वकील मंडल के अध्यक्ष तरुण त्रिवेदी के नेतृत्व में मंडल की एक टीम ने प्रतियोगिता में भाग लिया। उसमें सुमेरपुर की टीम ने पहले लीग मैच फिर क्वार्टर फाइनल, फाइनल में अपनी जगह बनाई ।

सुमेरपुर की टीम फाइनल में उपविजेता रही.वकील मंडल टीम के कोच तरुण त्रिवेदी रहे। इसी तरह वकील मंडल की टीम के सभी अधिवक्ताओं ने अच्छा प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में टीम की कप्तानी मनप्रीत मेहरा एडवोकेट द्वारा की गई। सुमेरपुर वकील मंडल टीम का पहला मुकाबला रानी टीम के साथ हुआ जिसमें सुमेरपुर विजेता रहा।

उसके बाद दूसरा मुकाबला सादड़ी के साथ हुआ जिसमें सुमेरपुर विजेता रहा। उसके बाद सेमीफाइनल मुकाबलाह्व वकील मंडल बाली टीम से हुआ इसमें सुमेरपुर वकील मंडल विजय रहा। अंतिम फाइनल मुकाबले में सुमेरपुर उपविजेता रहा। इस आयोजन के दौरान विशेष जीत दर्ज कराने पर सुमेरपुर वकील मंडल में खुशी की लहर छाई हुई है।

आयुर्वेद शल्य चिकित्सा शिविर आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों को मिला उपचार

हमारा समाचार

सुमेरपुर। राष्ट्रीय आयुष मिशन और आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वाधान में गीता भवन सुमेरपुर में आयुर्वेद शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं। इस अवसर पर शिविर प्रभारी डॉ राकेश गर्ग ने बताया कि आयुर्वेद विभाग द्वारा आयोजित शल्य चिकित्सा शिविर में आज नौवे दिन लोगो की काफी भीड़ रही । इस अवसर पर शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ.भरत सुथार ने बताया कि इस शिविर में पाईल्स, फिशर, फिस्टुला आदि रोगों का ऑपरेशन और अन्य आयुर्वेद चिकित्सा के दौरान उपचार किया जा रहा है । जिन रोगियों के ऑपरेशन किए गए हैं, उन सभी रोगियों के स्वास्थ्य में आशानुकूल सुधार देखा जा रहा हैं । पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ.ललित राठौड़ ने बताया कि पंचकर्म चिकित्सा पद्धति से 500 से ज्यादा रोगी लाभान्वित हुए हैं औऱ शिविर में मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है । साथ ही डॉ.श्रवण गर्ग और सचिन शर्मा द्वारा बच्चों के प्राकृतिक टीकाकरण के तौर पर स्वर्ण प्राशन ड्रॉप पिलाई जा रही हैं । स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.अंकित गर्ग ने स्त्री रोगों और बंध्यत्व के रोगियों को चिकित्सा परामर्श दिया । शिविर के अंतरंग रोग विभाग से डॉ. शांतिलाल ने बताया कि अब तक शिविर में 120 से अधिक रोगियों को भर्ती कर डॉ.भरत सुथार, डॉ. प्रेमसुख, हंसाराम, दिनेश दवे और तेजाराम आदि की शल्य चिकित्सा टीम द्वारा ऑपरेशन और अन्य चिकित्सा की गई । डॉ. अशोक रावत ने चर्म रोग एव डॉ. विजय वर्मा ने प्राकृतिक चिकित्सा परामर्श दिया । डॉ. कृष्ण चन्द गौतम, डॉ.पल्लवी डांगी और डॉ रेनू ने सामान्य ओपीडी में अपनी चिकित्सा सेवा दी।आयुर्वेद शिविर लोगों का सहयोग नहीं मदगार बना है। इस शिविर में आयुर्वेद डॉक्टर की टीम ने रोगियों के साथ शानदार सेवा देते हुए पाइल्स फिशर,फस्टुला जैसी गंभीर बीमारियों के आयुर्वेदिक पद्धति से ऑपरेशन कर उपचार दिया है। जोकि यह सेवा वास्तव में असनीय दर्द से लोगों को राहत पहुंचाई है।

उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

हमारा समाचार

जयपुर । जयपुर में गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह, उमंग और उल्लास से मनाया गया। सोमवार को जयपुर जिला कलक्ट्रेट परिसर में कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। पुलिस की सलामी टुकड़ी ने कलक्टर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। जिला कलेक्टर ने समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 60 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया। जिला कलक्टर ने सभी को गणतंत्र दिवह्यस की शुभकामनाएं दी एवं मिठाई भी वितरित की। संभागीय आयुक्त कार्यालय में संभागीय आयुक्त ने किया झंडारोहण सोमवार को गणतंत्र दिवस के मौके पर संभागीय आयुक्त श्रीमती पूनम ने संभागीय आयुक्त कार्यालय में झण्डारोहण किया। इसके बाद उन्होंने सलामी गार्ड का निरीक्षण किया। संभागीय आयुक्त महोदया ने अतिथियों से मुलाकात की और सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) श्रीमती विनिता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) श्री युगान्तर शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) श्री मुकेश मुण्ड, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) श्री आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) मेघराज मीणा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् शेर सिंह लुहाडिया जिला रसद अधिकारी संघमीत्रा बड़ाया उपखण्ड अधिकारी राजेश जाखड सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल बने रेलवे कर्मी जोताराम देवासी

ट्रेन में बैंक मैनेजर का मोबाइल हुआ गुम dy CTI देवासी ने ईमानदारी का दिया परिचय

हमारा समाचार

सुमेरपुर,पाली। भारतीय रेल्वे केवल यात्रियों को गंतव्य तक पहुँचाने का माध्यम ही नहीं,बल्कि सेवा, संवेदनशीलता और विश्वास का भी एक सशक्त प्रतीक है। इसका जीवंत उदाहरण हाल ही में अजमेर रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला, जहाँ रेलवे कर्मी जोताराम देवासी स्त्र4 ष्ट्ज्ञद्ध ने ईमानदारी, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का परिचय दिया। एक यात्री का कीमती मोबाइल फोन सुरक्षित रूप से वापस दिलाकर मानवता की मिसाल कायम की।

घटना का संक्षिप्त विवरण

77 वें गणतंत्र दिवस को पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक प्रदीप सिंह राठौड़ गाड़ी संख्या 14702 (अरावली एक्सप्रेस) से आबूरोड से जयपुर की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान कोच सीट संख्या 43 पर सफर करते समय उनका ट्रेन के बाथरूम में गिर गया। जिससेघबराए हुए यात्री राठौड़ अजमेर रेलवे स्टेशन पर उतरकर टी.टी.ई. लॉबी पहुँचे, जहाँ उनकी मुलाकात ष्ठ4 ष्ट्ज्ञद्ध जोताराम देवासी से हुई। देवासी ने पूरे धैर्य,शांति और संवेदनशीलता के साथ यात्री की पुरी बात सुनी और उन्हें आश्वस्त किया,कि हर संभव प्रयास करके मोबाइल खोजने का प्रयास किया जाएगा।

तत्परता और जिम्मेदारी का परिचय

रेलवे विभाग में कार्यरत जोताराम देवासी ने अपने निजी संपर्क सूत्रों और रेलवे तंत्र के माध्यम से तुरंत कार्यवाही शुरू की। कुछ ही समय में सूचना मिली कि मोबाइल फोन जयपुर स्टेशन पर सुरक्षित मिल गया है। इसके बाद मोबाइल को अगली गाड़ी में वापस अजमेर मंगवाकर विधिवत रूप से यात्री को सुपुर्द किया गया। यात्री के पारिवारिक नंबर पर सूचना देकर उन्हें राहत की खबर दी गई,जिससे परिवार सहित सभी को मानसिक शांति मिली।

सेवा भावना की प्रेरक मिसाल

यह घटना केवल एक मोबाइल मिलने की नहीं,बल्कि भारतीय रेलवे की सेवा संस्कृति,नैतिक मूल्यों और कर्मचारी समर्पण का प्रतीक है। देवासी का यह कार्य दर्शाता है कि रेलवे कर्मचारी केवल ड्यूटी निभाने तक सीमित नहीं,बल्कि वे यात्रियों की समस्याओं को अपनी जिम्मेदारी समझकर समाधान भी करते हैं। उनका यह सराहनीय कार्य न केवल रेलवे की सकारात्मक छवि को मजबूत करता है, बल्कि अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनता है।

मोबाइल मिलने परयात्री की प्रतिक्रिया

प्रदीप सिंह राठौड़ ने भावुक शब्दों में कहा कि अगर जोताराम देवासी जैसे कर्मचारी रेलवे में हों,तो यात्री खुद को सुरक्षित, सम्मानित और विश्वास में महसूस करते हैं। यह केवल मोबाइल लौटाने का मामला नहीं,बल्कि इंसानियत और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण भी है। '

निष्कर्ष

आज के समय में जब समाज में विश्वास की कमी महसूस की जाती है, ऐसे में टिटिई जोताराम देवासी जैसे नेक कर्मचारी यह सिद्ध करते हैं कि ईमानदारी,सेवा और संवेदना अभी भी जीवित हैं। भारतीय रेलवे को ऐसे कर्मठ,ईमानदार और संवेदनशील कर्मचारियों पर गर्व होना चाहिए,जो अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर समाज के लिए प्रेरणा बनते हैं।यह समाचार केवल एक घटना नहीं, परंतु भारतीय रेलवे की मूल भावना,सेवा ही धर्म है – का सजीव उदाहरण है।

शोभायात्रा में उमड़ा लोगो का जनसैलाब,भगवा लहराया कलर्स यात्रा बना आकर्षण का केंद्र

हमारा समाचार

सुमेरपुर। निकटवर्ती बामनेरा में स्थित केदारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में मंगलवार को हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में संतो व आरएसस के पदाधिकारियो ने बड़ी संख्या में भाग लेकर जन सैलाब को संबोधित करते हुए हिंदुत्व को मजबूत बनाने पर जोर दिया। बामनेरा में आयोजित हिंदू सम्मेलन के तहत कलश यात्रा और शोभायात्रा के साथ रैली निकाली गई। इस कार्यक्रम में पालड़ी खंड,और बामनेरा,कोरटा, पोयणा से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभायात्रा का शुभारंभ केदारेश्वर महादेव मंदिर से हुआ,जो मुख्य चौक,गलियों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंचकर कार्यक्रम का समापन हुआ। कलश यात्रा में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण कर पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। इसी क्रम में युवाओं ने सर पर भगवा साफा कुर्ता पहनकर हाथों में झंडा लिए बड़े जोर शोर से नारे लगाए। इस दौरान मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और जयघोष के बीच यात्रा आगे बढ़ती रही,लोग यात्रा में जुड़ते गए।

कलश यात्रा बनीं आकर्षण का केंद्र

बामनेरा के केदारनाथ महादेव मंदिर मठ में पालड़ी मंडल के हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें 8 गांव बामनेरा,पोयना, धनापुरा,सलोदरिया, फतापुरा,कोरटा, कानपुरा, पालड़ीजोड़ से धर्म प्रेमियों ने बढ़चढ़ कर इस आयोजन में भाग लिया। इस अवसर पर संघ प्रमुख ने जोरदार संबोधन भी दिया। जिसका सभी धर्म प्रेमियों ने तालिया बजाकर सम्मान किया। और मंच पर बालिकाओं द्वारा कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम के दौरान कलश यात्रा एवं रैली आकर्षण का केंद्र बनी जहां लोग देखते ही देखते रह गए। पूरे गांव में हिंदुत्व का भगवा लहराया । इस कार्यक्रम की शुरुआत स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर से कलश यात्रा रवाना हुई जहां कोरटा से होते हुए केदारनाथ महादेव मंदिर पहुंचने के बाद यात्रा समापन हुई । इस कार्यक्रम पर धर्म सभा में पूरा पंडाल भरा हुआ था जहां महिला एवं बड़े बुजुर्गो ने शोभा बढ़ाई। आयोजित धर्म सम्मेलन में कोरटा कुंवर गिरिराज सिंह, केदारनाथ महादेव मंदिर महंत लक्ष्मण गिरि,धीरेंद्र शर्मा, अनिल सैन,महेंद्र एडवोकेट, प्रशासक रमणिक त्रिवेदी, पूर्व वार्ड पंच सुरेश कुमार सुथार,भैरू शंकर ओझा, शंकर लाल, नारायण लाल सुथार, दिनेश भाई, रोहित सुथार, चुन्नीलाल,भगवत सिंह देवड़ा,

बाबूलाल, खिमसिंह पोमाराम मीणा, भीमाराम देवासी, नेनाराम चौहान, गुलाब सिंह, हड़मत सिंह पालड़ी जोड़, दलपत सिंह कोरटा, किशोर त्रिवेदी, अशोक त्रिवेदी आदि सभी धर्म प्रेमियों ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम समापन के बाद भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने आनंदपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। कलश यात्रा विशेष आकर्षण रहीं। इन्हें देखने के लिए मार्गों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस हिंदुत्व सम्मेलन ने धार्मिक संदेशों के साथ सामाजिक समरसता का भाव भी प्रस्तुत किया। सभी कार्यकर्ताओं ने हिंदू सम्मेलन में लोगों ने सहभागिता निभाई। संघ के वक्ताओं ने समाज में संस्कार,एकता और सांस्कृतिक चेतना के महत्व पर प्रकाश डाला।

गणतंत्र दिवस पर पशुपालन विभाग में पावटा की चमक– तीन अधिकारी सम्मानित

हमारा समाचार

पावटा। राज्यभर में 77वाँ गणतंत्र दिवस पशुपालन विभाग द्वारा गरिमामय ढंग से मनाया गया। राजधानी जयपुर में आयोजित मुख्य समारोह में संयुक्त निदेशक डॉ. हनुमान सहाय मीणा व निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीणा ने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पावटा क्षेत्र के तीन अधिकारियों को सम्मानित किया। नॉडल अधिकारी पावटा डॉ. पुष्पेंद्र गुर्जर, प्रागपुरा उपकेन्द्र में सेवारत पशुधन निरीक्षक संजय कुमार शर्मा एवं भैंसलाना उपकेन्द्र के पशु चिकित्सा पशुधन निरीक्षक जयराम यादव को मूमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पावटा का नाम रोशन किया। अधिकारियों ने कहा कि पावटा क्षेत्र में पशुपालन व टीकाकरण कार्य अनुकरणीय हैं। समारोह में शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने ध्वजारोहण कर कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र व कर्तव्यबोध का प्रतीक है। उन्होंने लोकसेवकों को ईमानदारी व सेवा भावना से कार्य करने को सच्ची देशभक्ति बताया। कार्यक्रम में विभागीय उत्कृष्ट कर्मियों को भी पुरस्कृत किया गया। बड़ी संख्या में अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

सांभर में बारिश से जनजीवन हुआ प्रभावित

हमारा समाचार

सांभरलेक। सांभर सहित आसपास ग्रामीण इलाकों में मंगलवार को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम का मिजाज बदल गया सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए और बारिश शुरू हो गई हालांकि हल्की धूप निकली थी लेकिन फिर रुक-रुक कर बारिश होती रही साथ में ठंडी हवाओं के साथ बारिश से तापमान में गिरावट आई है जिससे फिर सर्दी का असर बढ़ गया है कस्बे में बारिश सुबह हल्की फुहारे तो कभी तेज हुई सुबह से ही बारिश होने से सड़कों पर पानी बहने लगा राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हुई इस बारिश से जहां लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ वहीं किसानों के चेहरे खिले रबि की फसलें जैसे गेहूं सरसों चना और जो इन फसलों को अभी पानी की आवश्यकता थी जो इस प्राकृतिक बारिश से पूरी हो रही है खेतों में हरियाली बढ़ गई किसानों को कहना है की यदि यह बारिश नहीं होती तो उन्हें सिंचाई पर अतिरिक्त खर्चा करना पड़ता इस बारिश से फसलों को फायदा होगा। ज्यादा बारिश से फसलों को नुकसान होने का भी अनुमान बताया है।

खबर का असरः प्रशासन पहुंचा पोयणा गांव बड़ी कार्रवाई को दिया अंजाम अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

हमारा समाचार

सुमेरपुर। तहसील के गांव पोयणा में मंगलवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। गांव में पिछले कई वर्षों से हो रहे अतिक्रमण को प्रशासन ने हटाया। गांव के पास रामदेव मंदिर आंगनबाड़ी केंद्र के आस पास लोगों ने बाड़े बनाकर अतिक्रमण किया था । उक्त अतिक्रमण को हटाने के लिए ग्रामवासियों ने उपखंड से लेकर जिला प्रशासन एवं ग्राम पंचायत प्रशासन को ज्ञापन देकर हटवाने की कई बार मांग की गई थी। इसके साथ मीडिया ने भी अतिक्रमण को बार-बार हाईलाइट किया गया। जिस पर लंबे समय के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। ग्रामीणों की मांग थी कि राज्य सरकार की ओर से गांव में पेयजल समस्या दूर करने हेतु टंकी स्वीकृत है,पानी की टंकी बनाने के लिए सरकारी जमीन का अभाव था।लेकिन कुछ सरकारी जमीन पर लोगों के अतिक्रमण करने पर विकास कार्यों में बाधा आ रही थी। अन्य भूमि की व्यवस्था नहीं होने से टंकी का शिलान्यास भी नहीं हो पाया। जमीन का अभाव अतिक्रमण विकास में अवरुद्ध हो रहा था। मंगलवार को तहसीलदार हिमांशु कच्छवाह के नेतृत्व में प्रशासन राजस्व विभाग का एक दल पोयणा गांव पहुंचा और जेसीबी चलाकर अतिक्रमण हटाया। उक्त अतिक्रमण हटाने से ग्रामीणों की समस्या दूर होगी तथा खेलकूद के साथ अन्य विकास कार्यों में जमीन काम में आ सकती है।

इस मौके पर जितेंद्र बबेरवाल,नायब तहसीलदार तखतगढ़, ग्राम पंचायत प्रशासक रमणीक त्रिवेदी,सुरेंद्र सिंह देवड़ा पावा आरआई ,दशरथ सिंह पालड़ी जोड़ आरआई, जितेंद्र कुमार पटवारी बामनेरा, प्रदीप सिंह पटवारी पालड़ी जोड़, रिडमल सिंह पटवारी बांकली, ग्राम विकास अधिकारी जुगल कशोर के साथ पुलिस दल मौके पर मौजूद रहे।

जयपुर में कराटे प्रतिभाओं का महाकुंभ, खेल कराटे स्कूल गेम्स - सीज़न 3 ने रचा नया कीर्तिमान

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर में खेल कराटे स्कूल गेम्स - सीज़न 3 का भव्य एवं सफल आयोजन ज्ञान विहार स्कूल में शनिवार और रविवार को किया गया। इस राष्ट्रीय स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में देश के 16 से अधिक राज्यों के 100 से ज्यादा स्कूल के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह के अवसर पर 3 लाख 50 हज़ार की राशि विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र के साथ प्रदान की गई। आयोजन का नेतृत्व धनंजय त्यागी ने निभाया जिनके मार्गदर्शन में प्रतियोगिता पूरी गरिमा, अनुशासन और खेल भावना के साथ संपन्न हुई। संस्था के प्रेसिडेंट आकाश सिंह एवं सेक्रेटरी मोहित शर्मा ने बताया कि टीम चैंपियनशिप में प्रथम स्थान जे.एस.सी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जोबनेर; दूसरा स्थान आईएमएए अकादमी जयपुर और तीसरा स्थान नॉलेज सिटी स्कूल अलवर ने प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ कोच श्रेणी में उत्कृष्ट योगदान के लिए गौतम सिंह (दिल्ली) को पहला स्थान, दीपक सैनी (अलवर) को दूसरा और रजनी भंसाली (भीलवाड़ा) को तीसरे स्थान से सम्मानित किया गया। सुपर गोल्ड वर्ग में बालक वर्ग में अंडर-7 आरुष दास, अंडर-8 अतुल्य द्विवेदी, अंडर-10 वियान जैन, अंडर-12 देवांश सिंह, अंडर-14 देवम त्रिवेदी, अंडर-16 कार्तिक यादव और सीनियर ओपन में पवन जांगिड़ विजेता रहे, जबकि बालिका वर्ग में अंडर-8 वेदित्या राठौड़, अंडर-10 नैनिका नाथ, अंडर-12 ज़ील चोक्सी, अंडर-14 गरिमा बालोतिया, अंडर-19 श्रेय पटिल और सीनियर ओपन में खुशबू पंवार ने सुपर गोल्ड खिताब जीता। आयोजन को अभिभावकों और खेल प्रेमियों से भरपूर सराहना मिली।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिले का बढ़ा गौरव बीएलओ जितेन्द्र दीक्षित राज्य स्तर पर सम्मानित

हमारा समाचार

पावटा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती और मतदाता जागरूकता के प्रति प्रतिबद्धता को सम्मानित करते हुए 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में भव्य राज्य स्तरीय समारोह के रूप में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से चयनित उत्कृष्ट कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में कोटपूतली-बहरोड़ जिले की विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के भूरीभड़ाज निवासी बीएलओ जितेन्द्र दीक्षित को स्ट्रक कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य एवं 100' डिजिटाइजेशन उपलब्धि के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य स्तर पर सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में महामहिम राज्यपाल हरिभाउ बागड़े मुख्य अतिथि रहे। उनके साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान नवीन महाजन, मुख्य सचिव वी. निवास, मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह, विशिष्ट अतिथि जयपुर संभागीय आयुक्त सुश्री पूनम, तथा जयपुर जिला कलेक्टर जितेन्द्र सोनी मंचासीन रहे। सुपरवाइजर मालाराम यादव ने बताया कि भाग संख्या 23 में बीएलओ जितेन्द्र दीक्षित का कार्य विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।

गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदेशभर से चयनित आठ सुपरवाइजरों के साथ ही दीक्षित को सम्मानित किया गया।

गोटन में राज्य स्तरीय सेपक टकरा का रोमांच, 31 जनवरी से जुटेंगे प्रदेश के उभरते खिलाड़ी

हमारा समाचार

गोटन । नागौर जिला सेपक टकरा एसोसिएशन के तत्वावधान में 28वीं सब जूनियर बालक एवं बालिका राज्य स्तरीय सेपक टकरा चैंपियनशिप का आयोजन 31 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता की मेजबानी श्री करणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोटन (नागौर) में की जाएगी। प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से सब जूनियर वर्ग के प्रतिभाशाली बालक व बालिका खिलाड़ी भाग लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन को लेकर खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। एकेडमी निदेशक राजसिंह ने बताया कि प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों के ठहराव, भोजन, खेल मैदान एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रूप से अंतिम रूप दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता से युवा खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए जिला सेपक टकरा एसोसिएशन के पदाधिकारी, प्रशिक्षक एवं स्वयंसेवक सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। यह आयोजन गोटन क्षेत्र में खेल संस्कृति को नई पहचान देने के साथ-साथ सेपक टकरा जैसे रोमांचक खेल को बढ़ावा देगा।

विधायक डॉ. बराला के नेतृत्व में 'मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान' के तहत चौमूं विधानसभा क्षेत्र में जन-जागरूकता बैठकें आयोजित

हमारा समाचार

चौमूं। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला के नेतृत्व में 'मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान' के अंतर्गत आज चौमूं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मलिकपुर, सान्दरसर, आलीसर, हस्तेड़ा, डोला का बास एवं विमलपुरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जन-जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में मनरेगा योजना से जुड़े मुद्दों, श्रमिकों के अधिकारों, मज़दूरी भुगतान और रोज़गार की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक डॉ. बराला ने कहा कि मनरेगा केवल एक सरकारी योजना नहीं है, यह हमारे मेहनतकश और गरीब परिवारों का सम्मान, उनका रोजगार और आत्मनिर्भरता का अधिकार है। इसे कमजोर या बंद करने के किसी भी प्रयास को हम किसी भी हाल में सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि वे मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और इस प्रयास को सफल बनाने में योगदान दें। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल, स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और बैठक में सक्रिय भागीदारी निभाई।

मनरेगा में बदलावों से गरीबों के अधिकार छीने जा रहेः हरिशंकर मेवाड़ा

वाडट्टा नाड़ा मनरेगा कार्यस्थल पर कांग्रेस नेताओं ने मजदूरों को किया जागरूक

हमारा समाचार

सुमेरपुर। बांकली ग्राम पंचायत क्षेत्र के वाडट्टा नाड़ा में चल रहे मनरेगा कार्यस्थल पर सुमेरपुर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी हरिशंकर मेवाड़ा एवं जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष एश्वर्या सांखला ने पहुंचकर मजदूरों को केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में किए गए बदलावों को लेकर जागरूक किया। इस दौरान हरिशंकर मेवाड़ा ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना में लगातार बदलाव कर गरीब, मजदूर और ग्रामीण तबके के अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले जहां मनरेगा मजदूरों को समय पर काम और भुगतान मिलता था, वहीं अब नियमों की जटिलता, भुगतान में देरी और ऑनलाइन प्रक्रिया के नाम पर मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। मेवाड़ा ने बताया कि किए गए बदलावों से जॉब कार्ड सत्यापन, आधार लिंकिंग और तकनीकी शर्तों के कारण बड़ी संख्या में मजदूर मनरेगा से बाहर हो रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मजदूरों के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ती रहेगी। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष एश्वर्या सांखला ने महिलाओं से संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का आह्वान किया। इस दौरान राहूल गांधी का लेटर पढ़कर श्रमिकों को सुनाया। पूर्व जिला परिषद सदस्य कंचन परमार ने कहा कि मनरेगा योजना महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम रही है, लेकिन केंद्र सरकार की नीतियों से सबसे ज्यादा नुकसान ग्रामीण महिलाओं को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी हमेशा से मनरेगा को मजबूत करने के पक्ष में रही है और आगे भी महिलाओं व मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। महिलाओं को अपने हक के लिए जागरूक होकर एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद महिलाओं से अपील की कि वे अपने अधिकारों को पहचानें और किसी भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं।

कार्यस्थल पर मौजूद मजदूरों से संवाद करते हुए कांग्रेस नेताओं ने उन्हें मनरेगा के नियमों, मजदूरी भुगतान और अधिकारों की जानकारी दी। साथ ही भरोसा दिलाया कि कांग्रेस सरकार जब-जब भी आह्वान करें आपकों केन्द्र सरकार के खिलाफ अपने हक की आवाज उठाने में सहयोग करना हैं। ताकि मनरेगा को फिर से मजबूती दी जा सकें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और मजदूरों में केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर नाराजगी भी देखने को मिली। इस मौके पर बांकली ग्राम प्रशासक तेजाराम देवासी, किरणसिंह बांकली, गोपीलाल, यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष सुरेश भार्गव, विनोद परमार कोसेलाव, भावेश सैन, अल्केश परिहार सहित बड़ी संख्या में महिला श्रमिक मौजूद रहीं।

भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस : संविधान, उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ

सुनील कुमार महला

आज गणतंत्र को सबसे अधिक आवश्यकता संविधान के अक्षरों को ही नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को समझने और जीने की है। सजग नागरिक, स्वतंत्र संस्थाएँ, नैतिक राजनीति और सहिष्णु समाज-इन्हीं के माध्यम से भारतीय गणतंत्र सुरक्षित रहेगा। तभी हम प्रगति और उन्नयन की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने भारत को वास्तव में सपनों का भारत बना सकेंगे।

26 जनवरी 1950 वह दिन है जब भारत का संविधान लागू हुआ था और इसी दिन भारत एक गणतंत्र राष्ट्र बना। इससे पूर्व 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकार किया गया था। इस बार अर्थात् वर्ष 2026 में भारत अपना 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो 26 जनवरी 1950 वह ऐतिहासिक दिन था जब भारत एक संप्रभु, समाजवादी, लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हुआ। गणतंत्र (रि-पब्लिक) का अर्थ है-एक ऐसी शासन व्यवस्था, जिसमें सत्ता का स्रोत जनता होती है और सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया द्वारा चुनी जाती है। गणतंत्र में शासन का सर्वोच्च पद प्राचीनकाल की भाँति किसी राजा या महाराजा के पास नहीं होता, बल्कि इसमें संविधान ही सर्वोपरि होता है। वास्तविक अर्थों में, गणतंत्र का मतलब यही है कि संविधान वह मूल कानून है, जो नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को निर्धारित करता है। सरल शब्दों में कहा जाए तो गणतंत्र वह व्यवस्था है, जहाँ जनता का शासन कानून और संविधान के माध्यम से चलता है। संविधान का अर्थ है-देश का सर्वोच्च कानून, जिसके ऊपर कोई व्यक्ति, सरकार या संस्था नहीं होती। यही कारण है कि संविधान को देश को चलाने वाली नियम-कानूनों की सर्वोच्च पुस्तक कहा जाता है।

पाठकों को जानकारी होगी कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। यह स्पष्ट करता है कि देश कैसे चलेगा, सरकार कैसे बनेगी और कैसे कार्य करेगी, नागरिकों के मूल अधिकार और कर्तव्य क्या होंगे तथा देश में न्याय, समानता और स्वतंत्रता कैसे सुनिश्चित की जाएगी। यह कहना गलत नहीं होगा कि जिस देश में संविधान सुरक्षित है, वहाँ लोकतंत्र भी सुरक्षित रहता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय संविधान के निर्माणकर्ता और संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे तथा भारतीय संविधान का मूल आधार लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, समानता और स्वतंत्रता है।

गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम व उपलब्धियां:-

इस वर्ष गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम '150 वर्ष : वंदे मातरम्' रखी गई है। अर्थात् इस बार देश के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया जा रहा है। यह थीम बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को सम्मान देती है, जो हमारे देश

की संस्कृति, इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम की भावना को अभिव्यक्त करती है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026 के समारोह की दूसरी महत्वपूर्ण थीम ह्यविकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत' है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को प्रदर्शित करना है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड की एक विशेष उपलब्धि यह है कि पहली बार यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं को संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन इस अवसर पर भारत आएंगे। यह आमंत्रण भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) संबंधों की बढ़ती मजबूती का प्रतीक है। यूरोपीय संघ यूरोप के 27 देशों का एक आर्थिक-राजनीतिक समूह है, जो आपसी सहयोग, व्यापार, अर्थव्यवस्था, शांति, लोकतंत्र, मानवाधिकारों और सीमा-रहित यात्रा जैसे विषयों पर साझा निर्णय लेता है। गणतंत्र दिवस 2026 की एक और खास बात यह है कि भारतीय सेना पहली बार कर्तव्य पथ पर एक नया 'बैटल ऐरे फॉर्मेशन' प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही दर्शक दीघाओं के नाम अब नेताओं के बजाय भारत की प्रमुख नदियों के नाम पर रखे गए हैं, जो वीवीआईपी संस्कृति के अंत और जन-प्रधान लोकतंत्र की भावना को दर्शाता है।

उभरती हुई अर्थव्यवस्था है भारत:-

बहरहाल, आज भारत वैश्विक मंच पर लगातार उभरती हुई एक बड़ी शक्ति बन चुका है। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जनवरी 2026 के ताजा आँकड़ों के अनुसार, भारत ने नॉमिनल जीडीपी के मामले में जापान को पीछे छोड़ते हुए यह गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार पहुँच चुकी है और यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है। क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के आधार पर भारत पहले से ही विश्व में तीसरे स्थान पर है। अब भारत का अगला लक्ष्य जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनना है, जिसके 2027-28 तक साकार होने की पूरी संभावना है। यह आर्थिक प्रगति मजबूत घरेलू उपभोग, बुनियादी ढाँचे में भारी निवेश और डिजिटल क्रांति के कारण संभव हुई है।

गणतंत्र के समक्ष विद्यमान प्रमुख चुनौतियां:-

हालाँकि, 76 वर्ष पूरे करने के बावजूद आज भारतीय गणतंत्र के समक्ष कई गंभीर चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। वास्तव में कोई भी गणतंत्र तभी जीवित रहता है जब उसके नागरिक जागरूक और सजग हों। यह अत्यंत चिंताजनक है कि वर्तमान समय में हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण होता जा रहा है। संवाद, सहमति और असहमति की स्वस्थ परंपरा कमजोर पड़ रही है। मतभेद को देशद्रोह और आलोचना को विरोध मानने की प्रवृत्ति किसी भी लोकतंत्र के लिए घातक है। यह बहुत दुखद है आज संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए जा रहे हैं। न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं पर दबाव और पक्षपात के आरोप गणतंत्र की नींव को चुनौती देते हैं। धर्म, जाति, भाषा और विचारधारा के आधार पर बढ़ता सामाजिक ध्रुवीकरण राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को कमजोर करता है। नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर दबाव, राजनीति का अपराधीकरण, धनबल का बढ़ता प्रभाव, मीडिया और सोशल मीडिया की चुनौतियाँ-जैसे फेक न्यूज, ट्रोल संस्कृति और प्रोपेगैंडा भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे हैं। इसके साथ ही अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई, सामाजिक न्याय की चुनौतियाँ और नागरिक कर्तव्यों-जैसे मतदान, कर भुगतान, पर्यावरण संरक्षण और संवैधानिक मयार्दा-के प्रति बढ़ती उदासीनता गणतंत्र को कमजोर करती है।आर्थिक दृष्टि से भी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार घरेलू बचत में कमी आई है, परिवारों की बचत घट रही है और कर्ज पर निर्भरता बढ़ी है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है। आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक असमानता कम की जाए और मध्यम वर्ग के लिए शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ता बनाया जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक चुनौतियों की बात करें तो सीमा विवाद-विशेषकर चीन और पाकिस्तान के साथ-साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय आज गणतंत्र के सामने बड़े और अहम मुद्दे हैं। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि आज गणतंत्र को सबसे अधिक आवश्यकता संविधान के अक्षरों को ही नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को समझने और जीने की है। सजग नागरिक, स्वतंत्र संस्थाएँ, नैतिक राजनीति और सहिष्णु समाज-इन्हीं के माध्यम से भारतीय गणतंत्र सुरक्षित रहेगा। तभी हम प्रगति और उन्नयन की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने भारत को वास्तव में सपनों का भारत बना सकेंगे।

संपादकीय

संविधान के प्रति राजनीतिक जागरूकता पर्याप्त नहीं

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। ब्रिटिश आधिपत्य से स्वाधीनता के समय भारत के नेतृत्व ने भावी पीढ़ियों के शासन-प्रशासन हेतु एक संविधान का निर्माण किया। दो वर्ष, 11 महीने और 18 दिन तक संविधान सभा की बैठकें हुईं। उसके परिणामस्वरूप हमें विश्व का विशालतम संविधान प्राप्त हुआ। नौ दिसंबर 1946 से प्रारंभ कर 26 नवंबर 1949 तक हमारे संविधान निमार्ताओं ने भारत के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक जीवन के विभिन्न आयामों पर वृहद विचार विमर्श किया। उन्होंने विश्व के अनेक विद्यमान संविधानों का भी गहन अध्ययन किया और भारत के संविधान में संसार भर के संविधानों के श्रेष्ठ और स्वीकार्य तत्व सम्मिलित किए गए। इस प्रकार भारत का संविधान ऐसा अभिलेख बन गया जो विश्व की श्रेष्ठतम लोकतांत्रिक संस्थाओं और परंपराओं का सहज समावेश करता है। भारतीय संविधान की निर्मिति में संलग्न लगभग 300 व्यक्तियों की ओर दृष्टिपात करें तो यह ध्यान में आता है कि तत्कालीन भारत की श्रेष्ठतम मेधा, मनीषा, प्रतिभा संविधान सभा में उपलब्ध थी। वह संविधान सभा अनेक विचारधाराओं, क्षेत्रों, मतावलंबियों, भाषा-भाषियों, आजीविकाओं, समुदायों, संप्रदायों, राज-व्यवस्थाओं और रुचियों का प्रतिनिधित्व करती थी। वहां राजनेता, साहित्यकार, लेखक, उपन्यासकार, दार्शनिक, वकील, चिकित्सक, किसान, आदिवासी सभी प्रकार के व्यक्ति थे। उन सबने लगभग प्रत्येक शब्द, प्रत्येक अनुच्छेद, प्रत्येक संस्था और प्रत्येक नियम-विधि पर गहन और गंभीर वाद विवाद भी किया। इसका ही परिणाम हुआ कि भारतीय संविधान अपनी प्रस्तावना में ही अपने दार्शनिक मूल्यों और व्यावहारिक आधार की स्पष्ट उद्घोषणा करता है। वह एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना का उद्घोष करता है। कालांतर में 1976 में आंतरिक आपातकाल में यहां पंथनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द भी जोड़ दिए गए। यह संविधान भारत के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के साथ-साथ विचार अभिव्यक्ति, आस्था, विश्वास तथा उपासना की स्वतंत्रता तथा स्तर और अवसर की समानता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह संविधान भारत के नागरिकों में आपसी बंधुता बनाए रखने को कटिबद्ध है। यह भारत की राष्ट्रीय एकता और अक्षुण्णता बनाने के लिए संकल्पित है। भारतीय संविधान अपने चरित्र में कठोरता और नमनीयता के सम्मिश्रण से युक्त है। वह समकालीनता की अपेक्षाओं और परिवर्तनशील युगीन आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को रूपांतरित करने में सक्षम है।

चिंतन-मनन

विचार प्रांति की जरूरत

एक समय अवांछनीय व्यक्तियों या तत्वों को हटाने के लिए मुख्यतः शस्त्रबल से ही काम लिया जाता था। तब विचारशक्ति की व्यापकता का क्षेत्र खुला न था। बहुसंख्यक जनता को एक दिशा में सोचने, कुछ करने या संगठित करने के लिए उपयुक्त साधन न थे। इसलिए संसार में जब भी अनाचार, पाप, अनौचित्य फैलता था, तब उस अनौचित्य का निवारण युद्ध द्वारा शस्त्रबल से किया जाता था। प्राचीनकाल में युग परिवर्तन की यही भूमिका रही है। इसी कारण रावण, कंस, हिरण्यकशिपु आदि अनीतिमूलक वातावरण उत्पन्न करने वालों को परास्त करनेवाले महामानवों को अवतार, देवदूत आदि सम्मानों से सम्मानित किया गया। पिछले कई वर्षों में विज्ञान ने अद्भुत प्रगति की है।

संसार की अनेक सभ्यताओं और विचारधाराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित करना आरम्भ किया। साथ ही ऐसे शस्त्रों का आविष्कार आरम्भ हुआ, जिससे युद्ध केवल दो देशों के बीच संभव न रहा। सरकारी कानून के तहत व्यक्तिगत लड़ाइयां असंभव हो गई। आज किसी देश का प्रधानमंत्री भी किसी का वध कर डाले, तो उसे जरूरी सजा भुगतनी ही पड़ेगी। पुराने जमाने में योद्धा तलवार से निपट लेते थे, पर अब तो युद्ध के अस्त्र-शस्त्र तथा क्रियाकलाप इतने महंगे हैं कि एक सैनिक को मारने का खर्च प्रायः हजारों रुपये पड़ जाता है। उसके पीछे अंतरराष्ट्रीय गुटबंदी और सहायताएं, सहानुभूतियां भी काम करती हैं। इस वैज्ञानिक युग में पिछले दो युद्ध अनंत संहारक साधनों से लड़े गये, फिर भी उनसे कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं हुआ। कहने का तात्पर्य इतना भर है कि प्राचीनकाल में अनीति व अनुपयुक्त परिस्थितियों का मूल कारण बने व्यक्तियों को निरस्त करने से वातावरण बदल जाता था, पर वैज्ञानिक प्रगति ने इस संभावना को समाप्त कर दिया। पहले कुछ शक्तिशाली शासक ही भला-बुरा वातावरण बनाने के निमित्त होते थे पर अब जनता के हर नागरिक को अपनी शक्तियां विकसित करने और उपयोग करने की ऐसी सुविधा मिल गई है कि वह स्वयं स्वतंत्र इकाई के रूप में समाज पर भारी प्रभाव छोड़ता है।

आशा और चुनौती के बीच भारत का बजट तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदमों की कसौटी

कांतिलाल मांडोत

फरवरी की पहली तारीख को पेश होने वाला आम बजट केवल आयव्यय का लेखा-जोखा नहीं होगा, बल्कि यह उस दिशा का संकेत देगा, जिस ओर भारत अगले दशक में बढ़ना चाहता है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद अब भारत की नजर तीसरे स्थान पर है और इसी लक्ष्य की नींव रखने वाला यह बजट माना जा रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं, बदलती भू-राजनीति, संरक्षणवाद के बढ़ते रुझान और अमेरिकी टैरिफ नीति जैसी चुनौतियों के बीच भारत को संतुलन साधते हुए आगे बढ़ना है। ऐसे समय में बजट से उम्मीदें भी बहुत हैं और आशंकाएं भी।

पिछले दस बारह वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस तेजी से आकार बढ़ाया है, उसने दुनिया का ध्यान खींचा है। लगभग 4.18 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत आज चौथे पायदान पर है और 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आने वाले तीन बजट बेहद अहम माने जा रहे हैं और मौजूदा बजट उसी श्रृंखला की पहली मजबूत कड़ी बन सकता है। सरकार की मंशा स्पष्ट है कि विकास की गति को बनाए रखते हुए आत्मनिर्भर भारत, निर्यात वृद्धि और निवेश को बढ़ावा दिया जाए, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती है बढ़ता सार्वजनिक कर्ज।

देश पर कर्ज का बोझ अब एक ऐसे स्तर पर पहुंच चुका है, जहां उसे नजरअंदाज करना संभव नहीं रहा। पिछले एक दशक में कुल कर्ज 53 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 185 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है और अनुमान है कि मार्च 2025 तक यह 196 से 200 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच सकता है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक तथ्य यह है कि हर साल लगभग 12 लाख करोड़ रुपये केवल ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं। यानी सरकार की कमाई का एक बड़ा हिस्सा विकास कार्यों की बजाय पुराने कर्ज की भरपाई में चला जाता है। यह स्थिति लंबे समय में विकास की रफ्तार पर ब्रेक लगा सकती है। हालांकि, यह भी सच है कि कर्ज अपने आप में बुरा नहीं होता, अगर उसका इस्तेमाल उत्पादक क्षेत्रों में किया जाए। समस्या तब खड़ी होती है, जब कर्ज का बोझ इतना बढ़ जाए कि वह नीतिगत फैसलों की स्वतंत्रता को सीमित करने लगे। भारत आज विश्व बैंक से कर्ज लेने वाले देशों में अग्रणी है और दुनिया के बड़े कर्जदार देशों में सातवें स्थान पर है। भले ही अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इटली जैसे देश भारत से कहीं अधिक कर्जदार हों, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश के लिए कर्ज का संतुलन बनाए रखना कहीं ज्यादा जरूरी हो जाता है। ऐसे में इस बजट से उम्मीद की जा रही है कि सरकार कर्ज नियंत्रण की स्पष्ट रणनीति सामने रखेगी।

बजट का आकार भी अपने आप में एक बड़ा संकेत है। पिछले बारह साल में केंद्र सरकार का बजट 15 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। इस साल इसमें करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह बढ़ोतरी बताती है कि सरकार विकास के लिए खर्च करने को तैयार है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह खर्च टिकाऊ वित्तीय ढांचे के साथ किया जाएगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, निर्माण, रक्षा उत्पादन और कृषि जैसे क्षेत्रों पर सरकार का फोकस पहले से रहा है और आगे भी इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की संभावना है। चुनौती यह है कि इन निवेशों से वास्तविक रोजगार और उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए।

वैश्विक परिदृश्य भी इस बजट को खास बनाता है। अमेरिका और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में संरक्षणवादी नीतियों का असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ रहा है। टैरिफ को कूटनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति ने निर्यात-आयात के समीकरणों को जटिल बना दिया है। भारत के लिए यह खतरा भी है और अवसर भी। अगर सही नीतियां अपनाई जाएं, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत कर सकता है। इसके लिए बजट में निर्यात प्रोत्साहन, एमएसएमई को सस्ता कर्ज और तकनीकी उन्नयन जैसे कदम अहम हो सकते हैं।

रक्षा क्षेत्र भी इस बजट का एक महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। बदलते वैश्विक हालात और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए रक्षा बजट में बढ़ोतरी की मांग लंबे समय से हो रही है। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि रोजगार और तकनीकी विकास को भी बढ़ावा देता है। सरकार पहले ही इस दिशा में कई कदम उठा चुकी है, लेकिन बजट के जरिए इस रफ्तार को और तेज किया जा सकता है।

आम आदमी की नजर से देखें तो बजट की सबसे बड़ी कसौटी राहत की उम्मीदों पर टिकी है। आयकर दाताओं को टैक्स स्लैब में बदलाव या छूट की आस है, वहीं महंगाई से जूझ रहे मध्यम और गरीब वर्ग को रोजमर्रा की चीजों में राहत चाहिए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल ने ज्वेलरी उद्योग को संकट में डाल दिया है। सट्टेबाजी का बाजार गरम है और इसका असर आम उपभोक्ता पर भी पड़ रहा है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती है कि वह बाजार में स्थिरता लाने के उपाय करे।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी इस बजट का अहम हिस्सा होंगी। देश की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है और ग्रामीण मांग मजबूत हुए बिना समग्र विकास संभव नहीं है। किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई, भंडारण और मार्केटिंग व्यवस्था को सुधारने के लिए बजट में ठोस प्रावधान जरूरी हैं। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाना भी दीर्घकालीन विकास के लिए अनिवार्य है।

यह बजट ऐसे समय में आ रहा है, जब भारत आशा और निराशा के एक बड़े मोड़ पर खड़ा है। चौथी अर्थव्यवस्था बनने की दौड़ पूरी हो चुकी है, लेकिन तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता अभी चुनौतीपूर्ण है। कर्ज, वैश्विक अनिश्चितताएं और घरेलू मांग की मजबूती इन सबके बीच संतुलन साधना आसान नहीं होगा। फिर भी, अगर बजट विकास, वित्तीय अनुशासन और सामाजिक न्याय के बीच सही तालमेल बैठा पाता है, तो यह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आधार बन सकता है।

अंततः, एक अच्छा बजट वही होता है जो केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में बदलाव लेकर आए। यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है, जहां उम्मीदें भी हैं और चुनौतियां भी। देश की निगाहें टिकी हैं कि सरकार इस मौके को किस तरह अवसर में बदलती है और क्या वाकई यह बजट भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ा पाता है।

अमेरिका का आर्थिक संकट, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर खतरा

सनत जैन

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था माने जाने वाले अमेरिका की वित्तीय स्थिति गंभीर सवालों के घेरे में है। अमेरिकी ट्रेजरी से जिस तेजी के साथ विदेशी पूंजी की निकासी हो रही है, जिस अनुपात में नया निवेश नहीं आ रहा है उसने अमेरिका के साथ-साथ वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को अस्थिरता में धकेल दिया है। अमेरिकी प्रतिबंधों के डर और अमेरिका द्वारा कई देशों की संपत्तियों की जब्ती की कार्यवाही को देखते हुए दुनिया के कई देशों और निवेशकों ने अपना पैसा अमेरिका की ट्रेजरी से निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी में बांड के रूप में किए गए निवेश को अधिकांश देश निकाल रहे हैं। वैश्विक स्तर पर यह आशंका व्यक्त की जा रही है, कि अमेरिका में रखा उनका पैसा अब सुरक्षित नहीं है। अमेरिका पर सार्वजनिक कर्ज. 34 ट्रिलियन डॉलर पर पहुँच चुका है। पिछले वर्षों में अमेरिकी ट्रेजरी में विभिन्न देशों की सरकारों और संस्थाओं का जमा लगातार घट रहा है। एक समय अमेरिका को सुरक्षित निवेश का सबसे बड़ा ठिकाना माना जाता था। अमेरिका द्वारा रूस, अफगानिस्तान और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद उन देशों की संपत्ति और जमा राशि को जब्ती की कार्यवाही करके दुनिया के अन्य देशों के भरोसे को बड़ी चोट पहुँचाई है। नतीजतन, यूरोप, चीन, भारत सहित दर्जनों देशों ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड से दूरी बनानी शुरू कर दी है। अमेरिका और ब्रिटेन में जो सोना अन्य देशों ने जमा करके रखा था, उसे भी अब वापस लाया जा रहा है। दुनिया के कई देशों ने अमेरिकी बांड से राशि निकालकर सोने के रूप में निवेश करने का नया विकल्प तलाश लिया है। सभी देश डॉलर मुद्रा में जमा धन सोने के रूप में कन्वर्ट करके अपने देश के सेंट्रल बैंक में सुरक्षित रख रहे हैं। जिसके कारण अमेरिका की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है।

डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति, टैरिफ युद्ध, और बार-बार प्रतिबंधों की धमकी तथा मनमाने निर्णय लेने के कारण दुनिया के देशों में अमेरिका की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो गई है। अमेरिका की टैक्स एवं आर्थिक नीति में अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक अमेरिका की ट्रेजरी में नए बॉन्ड खरीदने से हिचक रहे हैं। अमेरिका की ट्रेजरी में बहुत बड़ी राशि के पुराने बॉन्ड की समय-सीमा पूर्ण होने जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी पर बांड में जमा राशि लौटाने का दबाव बन रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी से धन की निकासी बड़े पैमाने पर हो रही है। ट्रेजरी से जिस राशि का भुगतान किया जा रहा है, उस भुगतान की राशि का 25 फीसदी धन भी अमेरिकी ट्रेजरी में जमा नहीं हो रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी में जमा कम और निकासी अधिक होने से अमेरिका की अर्थव्यवस्था खतरनाक संकट की ओर आगे बढ़ रही है। इस संकट का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। जब अमेरिका जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था दबाव में आती है। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ना तय है। वैश्विक विकास-दर पहले ही सुस्त पड़ चुकी है। महँगाई, ऊँची ब्याज दरें और निवेश में गिरावट के कारण दुनिया के सभी देशों में आम लोगों की क्रय शक्ति लगातार घट रही है। लोगों के पास जरूरी खर्च करने के लिए भी पर्याप्त राशि नहीं है। नागरिकों की बचत खत्म हो गई है। नागरिकों के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है, जिससे सभी देशों में मांग कमजोर हो रही है। जिसके कारण आर्थिक मंदी की आशंका गहराती जा रही है। आज दुनिया के अधिकांश देश भारी कर्ज. के बोझ में दबे हैं। यदि अमेरिका जैसी केंद्रीय अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में हाहाकार मचना तय है। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध के हालात बने हुए हैं, वैश्विक व्यापार संधि भी टैरिफ के कारण खतरे में है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से वैश्विक व्यापार संधि को नजरअंदाज करते हुए टैरिफ का नया युद्ध शुरू किया है, वह अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों के लिए नए संकट के रूप में सामने है। किसी भी देश की ताकत उसकी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति से नहीं तय की जा सकती है। ताकतवर देश के ऊपर भरोसे, स्थिरता और जिम्मेदार नीतियां उस देश को ताकतवर बनाती हैं। अमेरिका के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से विश्वास, अब अविश्वास में बदल गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब गैंगस्टर के रूप में पहचाना जा रहा है। जिसके कारण अमेरिका पर पहले जो विश्वास था, वह तेजी के साथ खत्म हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति की वर्तमान नीतियों के कारण सारी दुनिया के लिए एक नई चुनौती खड़ी हो गई है। दुनिया का खोया हुआ विश्वास, अमेरिका कैसे प्राप्त करेगा, इसको लेकर तरह-तरह की आशंका दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सनक के कारण सारी दुनिया के देशों से न केवल दूरियां बढ़ा ली हैं, वरन अमेरिका की वित्तीय व्यवस्था को भी ऐसी स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है, जहां अमेरिका को अपने आप को बचाने के लिए कडा संघर्ष करना पड़ रहा है। अब देखना यह है, अमेरिका इस चुनौती का मुकाबला किस तरह से करता है। दुनिया के देशों में इसका किस हद तक असर पड़ता है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सहायक प्रशासनिक अधिकारी विकास हल्दुनिया का हुआ सम्मान

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने 60 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

हमारा समाचार

जयपुर। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। 26 जनवरी को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित समारोह में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री विकास हल्दुनिया एवं सहायक कार्मिक अनिल सैनी को उनके उत्कृष्ट कार्यों और समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में विकास हल्दुनिया एवं श्री अनिल सैनी सहित कोषागार, राजस्व शाखा, लेखा शाखा, रसद विभाग सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत 60 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने कहा कि अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया यह सम्मान न केवल उनके मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि अन्य कर्मचारियों को भी बेहतर दक्षता, कौशल और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी प्रशासन का महत्वपूर्ण स्तंभ है और समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य से ही सुशासन की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। जिला कलक्टर ने इस अवसर पर सभी सम्मानित कार्मिकों से अपेक्षा जताई कि वे भविष्य में भी इसी उत्साह और निष्ठा से कार्य करते हुए जिले के विकास में अपना योगदान देंगे।

30 जनवरी को मनाया जाएगा शहीद दिवस

सुबह 11 बजे रखा जाएगा 2 मिनट का सामूहिक मौन 28 जनवरी एवं 29 जनवरी को किया जाएगा मौन संकेत का ट्रायल टेस्ट

हमारा समाचार

जयपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर 30 जनवरी का प्रतिवर्ष शहीद दिवस मनाया जाता है। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 30 जनवरी को सुबह 11 बजे 2 मिनट का सामूहिक मौन रखा जाएगा। शहीद दिवस को साइरनों द्वारा ध्वनि प्रसारण द्वारा 2 मिनट के मौन संकेत प्रसारित किये जाएंगे। जिसके बाद जिले में सामूहिक मौन रखा जाएगा। सामूहिक मौन के सफल आयोजन के लिए 28 जनवरी 29 जनवरी को सुबह 10 बजकर 59 मिनट पर सायरन बजाकर मौन संकेत का ट्रायल टेस्ट किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा मौन संकेत प्रसारण के लिए कलेक्ट्रेट सहित 13 स्थानों पर सायरनों प्रयोग किया जाएगा। पहला सायरन सुबह 10 बजकर 59 मिनट 15 सेकंड पर बजेगा, जिससे मौन रखने की शुरुआत की जाएगी। 2 मिनट का मौन समाप्त होने पर 11 बजकर 02 मिनट पर मौन समाप्ति संकेत के लिए दूसरी बार सायरन बजाया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सामूहिक मौन के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों जरूरी दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

रक्त दान करने पर राठी जिला स्तर पर सम्मानित

हमारा समाचार

सुमेरपुर। उपखंड क्षेत्र में 77 वा गणतंत्र दिवस सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। इस राष्ट्रीय पर्व पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें छात्र-छात्राओं ने श्रद्धा उत्साह के साथ बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर समाज के लोगों द्वारा समाज उत्थान में सहयोग करने वाले लोगों के साथ छात्र-छात्राओं का उपखंड एवं जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस पर महेश राठी सुमेरपुर को उल्लेखनीय कार्य किए जाने पर जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि महेश राठी ने सुमेरपुर क्षेत्र में 25 से अधिक बार रक्त दान कर कई लोगों की जान बचाई। उनके द्वारा उल्लेखनीय सेवा देने पर जिला स्तरीय गणतंत्र समारोह में सम्मानित किया गया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत,जिला कलेक्टर एलएन मंत्री,पुलिस अधीक्षक आदर्श सिंधु ने राठी को सम्मानित किया गया। उनके द्वारा किया गया रक्तदान एक महादान है,जरूरतमंद लोगों को रक्त देकर उनको नया जीवन दिया है। राठी ने रक्तदान क्षेत्र में अब तक जो भी कार्य किया है वह एक प्रेरणा स्रोत नहीं,बल्कि सभी के लिए सीख है।

सांभरलेक में 77 वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया

हमारा समाचार

सांभरलेक। सांभर में 77 वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया दशहरा मैदान में उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल ने ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली समारोह का शुभारंभ राष्ट्रीयगान के साथ हुआ इसके बाद पुलिस होमगार्ड एनसीसी विभिन्न विद्यालय के छात्र छात्राएं ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी इस अवसर पर उपखंड क्षेत्र के सरकारी और गैर सरकारी विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए इन प्रस्तुतियों में देश भक्ति समूह नृत्य नाटक और लोक कलाए शामिल थी उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल ने कहा कि देश का संविधान हमें समानता स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है गणतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है की राष्ट्र के विकास में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है समारोह को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों कर्मचारियों शिक्षकों विद्यार्थियों समाजसेवी और आम नागरिक के प्रति आप हर वक्त किया अंत में दशहरा मैदान में भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे से दशहरा मैदान गूंज उठा।

तीसरी नेशनल पैरा कबड्डी चैंपियनशिप: हिमाचल को हराकर राजस्थान बना चैंपियन, सातों मैच जीतकर रचा नया इतिहास

हमारा समाचार

चौमूं। विशाखापटनम के मेडटैक ज़ोन में आयोजित तीसरी नेशनल पैरा कबड्डी चैंपियनशिप में राजस्थान टीम ने इतिहास रचते हुए फ़ाइनल मुकाबले में हिमाचल प्रदेश को 43-32 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहते हुए राजस्थान ने लगातार सात मुकाबले जीतकर पहली बार नेशनल स्तर पर गोल्ड मेडल हासिल किया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर की 20 राज्यों की टीमों ने भाग लिया, जिससे टूर्नामेंट का स्तर और प्रतिस्पर्धा बेहद ऊँचा रहा।

लीग चरण से लेकर नॉकआउट मुकाबलों तक राजस्थान ने हर मैच में दमदार खेल दिखाते हुए एक भी हार दर्ज नहीं की। लीग मुकाबलों में राजस्थान ने झारखंड को 22-2, तमिलनाडु को 54-13, मध्य प्रदेश को 70-18 और पंजाब को 54-13 से हराकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे। इसके बाद क्वार्टरफ़ाइनल में महाराष्ट्र को 74-69 से मात दी, सेमीफ़ाइनल में हरियाणा को 32-13 से हराया और फ़ाइनल में हिमाचल प्रदेश को 43-32 से पराजित कर खिताब पर कब्ज़ा जमाया। राजस्थान टीम के इंचार्ज अर्जुना अवार्डी जगसीर सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खिलाड़ियों को बधाई देते हुए बताया कि टीम ने पिछले वर्ष दूसरी नेशनल पैरा कबड्डी चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था और इस बार स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की है। इस नेशनल में राजस्थान के मनीष को बेस्ट रेडर का अवार्ड और चेतराम को बेस्ट कैचर का अवार्ड दिया गया राजस्थान पैरा कबड्डी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता और सचिव संदीप कौर ने टीम की इस जीत पर प्रसन्नता जताते हुए खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को शुभकामनाएं दीं। टीम का पंद्रह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर कोच सुनील कुमार सामरिया के नेतृत्व में अम्बेडकर भवन, हनुमानगढ़ में आयोजित किया गया था।

इस शिविर के आयोजन में राही सोशल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष योगेश कुमावत ने बताया कि खिलाड़ियों की तैयारी में समाजसेवी संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों की अहम भूमिका रही। अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी विक्रम सिंह मान खिलाड़ी का भी विशेष सहयोग रहा उन्होंने यह भी जानकारी दी कि राजस्थान टीम को एडवोकेट शंकर सोनी (संस्थापक) द्वारा शहीद स्मारक से रवाना किया गया था, जिससे खिलाड़ियों में देशभक्ति का जज़्बा और जीत का आत्मविश्वास देखने को मिला। एथन स्पोर्ट्स वियर के संस्थापक रवि बंसल द्वारा पिछले दो वर्षों से खिलाड़ियों को ट्रैक सूट वितरित किए जा रहे साथ ही खिलाड़ियों की बेहतर तैयारी के लिए खेल किट भी उपलब्ध कराई गई, जिससे टीम का मनोबल और मजबूत हुआ। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे राजस्थान में जश्न का माहौल है। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन ने राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। इस शिविर के आयोजन में राही सोशल वेलफेयर सोसायटी और जनसहयोग का विशेष सहयोग रहा। राही सोशल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष योगेश कुमावत ने बताया कि खिलाड़ियों की तैयारी में समाजसेवी संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों की अहम भूमिका रही।

देशवाली पंचायत चौरासी राजस्थान के हेड ऑफिस में गणतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

हमारा समाचार

चौरासी। नरैना:-देशवाली पंचायत चौरासी राजस्थान के हेड ऑफिस में 26 जनवरी को गणतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई, जिसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की। इस अवसर पर पंचायत पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गणतंत्रता दिवस हमें हमारे अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति से ओत-प्रोत विचार रखे गए और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर चर्चा की गई।

अंत में सभी ने राष्ट्र की प्रगति, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। प्रोग्राम प्रदेश अध्यक्ष मजीद खान गौड़ के अध्यक्षता में हुआ जिस में मुख्य अतिथि दूदू प्रधान रवि चौधरी रहे विशिष्ट अतिथि ठाकुर भूपेंद्र सिंह खंगारोत रहे वहां उपस्थित प्रदेश महासचिव तालिब हुसैन,प्रदेश प्रचार प्रसार मंत्री ईरशाद भूटा प्रदेश मिडिया प्रभारी नबी मोहम्मद गौड़, प्रदेश सलाहकार हाजी सुभारती खान गौड़, रज्जाक भाटी, जिला कोषाध्यक्ष सलीम चौहान, फारुख चौहान, भावर भाटी, उस्मान चौहान, खाजू भाटी, इमामुदीन गौड़, लतीफ़ तंवर, मजीत तंवर , फिरोज बरबरा आदि मौजूद रहे।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

12 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 5 केन्टर सामान जब्त

हमारा समाचार

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में चैरडिया पेट्रोल पम्प से मालपुरा गेट दोनों तरफ, जाली वाली बगीची सांगानेर, गांधी नगर मोड़ से नगर निगम ऑफिस तक एवं सीके बिरला हॉस्पिटल से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 12 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 5 केन्टर सामान जब्त किया गया।उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में चैरडिया पेट्रोल पम्प से मालपुरा गेट दोनों तरफ, जाली वाली बगीची सांगानेर, गांधी नगर मोड़ से नगर निगम ऑफिस तक एवं सीके बिरला हॉस्पिटल से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 5 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 12 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

पत्रकार कृष्ण कुमार वर्मा उपखंड स्तर पर सम्मानित

हमारा समाचार

मनोहरपुर। कस्बा निवासी युवा पत्रकार कृष्ण कुमार वर्मा को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर 77 वें गणतंत्र दिवस पर उपखण्ड स्तर पर सम्मानित किया गया। वर्मा की उत्कृष्ट सेवाओं पर उनको उपखण्ड स्तर पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शाहपुरा विधायक मनीष यादव, एसडीएम संजीव कुमार, तहसीलदार नानूराम यादव सहित ब्लॉक के अधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस अवसर पर शाहपुरा विधायक मनीष यादव, एसडीएम संजीव कुमार, तहसीलदार नानूराम यादव सहित ब्लॉक के अधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। वर्मा को उपखंड स्तर पर सम्मानित होने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रामचन्द्र यादव, महामंत्री उपेंद्र कुमार आत्रेय, सामाजिक कार्यकर्ता संपूर्णानंद शर्मा, पप्पू रामवतार असवाल, महिपाल सिंह गुर्जर, जगदीश गुर्जर, जयराम, घनश्याम सहित कई गणमान्य लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जयपुर में लाखों विद्यार्थियों ने कैनवास पर कूंची से उकेरे पंच गौरव के रंग पंच गौरव योजना के तहत जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ भव्य आयोजन

हमारा समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिले में पंच गौरव से जुड़े स्थलों, उत्पादों एवं विशिष्टताओं के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रभावी पहल की जा रही है। इसी क्रम में जयपुर जिले के पंच गौरव विषय पर आधारित जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का व्यापक एवं सफल आयोजन किया गया। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के 5 हजार 933 विद्यालयों के 1 लाख 87 हजार 222 स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साह, उमंग और रचनात्मकता के साथ सहभागिता निभाई। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने रंगों, रेखाओं और कल्पनाशील अभिव्यक्ति के जरिए जयपुर जिले की विशिष्ट पहचान को कैनवास पर सजीव रूप प्रदान किया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (जयपुर प्रथम) विनीता सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में जयपुर जिले के 2 हजार 999 राजकीय विद्यालयों के 94 हजार 784 विद्यार्थी तथा 2 हजार 934 निजी विद्यालयों के 92 हजार 438 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विद्यार्थियों ने पंच गौरव की थीम पर आधारित चित्रों के माध्यम से न केवल अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि जिले की सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक पहचान को भी सशक्त रूप में प्रस्तुत किया।

मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि विद्यार्थियों ने कूंची के माध्यम से जयपुर जिले के पंच गौरव को रंगों में ढालते हुए एक जिला-एक खेल के अंतर्गत कबड्डी, एक जिला-एक उपज के रूप में आँवला, एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति के रूप में लिसोड़ा, एक जिला-एक उत्पाद के रूप में रत्नाभूषण तथा एक जिला-एक पर्यटन स्थल के रूप में आमेर दुर्ग को अत्यंत सृजनात्मक, आकर्षक एवं भावनात्मक रूप से चित्रित किया।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह चित्रकला प्रतियोगिता विद्यार्थियों में न केवल जयपुर जिले के पंच गौरव के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुई है, बल्कि इसके माध्यम से भावी पीढ़ी में जिले की विरासत, परंपराओं एवं विशिष्टताओं के संरक्षण और संवर्धन के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी पहल साबित होगी।

हर जरूरतमंद स्ट्रीट वेंडर तक पहुंचे स्वनिधि योजना का लाभ - बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए : मुख्य सचिव

हमारा समाचार

जयपुर। प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स को किफायती दरों पर पूंजीगत ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने समिति को निर्देशित किया कि सभी बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके। मुख्य सचिव ने योजना के अंतर्गत सभी बैंकों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचे, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है।

लक्षित वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजना को शहरों के साथ-साथ कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। इसके लिए ग्रामीण उत्थान शिविरों के माध्यम से आमजन को योजना से जोड़ने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी बैंक अपने निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को योजना से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि अन्य जरूरतमंदों को भी प्रेरित किया जा सके।

मुख्य सचिव ने फील्ड विजिट एवं निरीक्षण रिपोर्ट के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। बैठक में शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव आयोजना विभाग डॉ. रवि कुमार सुरपुर, विभागीय वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न राजकीय एवं निजी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रेनो ने भारत में नई जनरेशन डस्टर का किया अनावरण

हमारा समाचार

चेन्नई। रेनो इंडिया ने अपनी प्रतिष्ठित एसयूवी नई जनरेशन डस्टर का भारत में अनावरण किया। यह मॉडल रेनो इंटरनेशनल गेम प्लान 2027 के तहत देश में पेश किया गया पहला उत्पाद है। भारतीय बाजार को ध्यान में रखकर तैयार की गई इस एसयूवी में लगभग 90 प्रतिशत लोकलाइज्ड एलिमेंट्स शामिल हैं। नई डस्टर 212 मिमी ग्राउंड क्लियरेंस, मस्कुलर डिजाइन और उन्नत व्हीकल डायनामिक्स के साथ पेश की गई है। इसमें पेट्रोल इंजन के साथ तकनीक दी गई है। सेफ्टी के लिए 17+ फीचर्स और 7 साल की वारंटी मिलेगी। कीमत मार्च में घोषित होगी।

प्रताप बस्ती का विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

हमारा समाचार

टोंक। शिव मन्दिर हाऊसिंग बोर्ड सेक्टर-2 टोंक में प्रतापबस्ती के विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन मे भारी संख्या में हिन्दू समाज के लोगों व गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। सम्मेलन का आगाज सर्वप्रथम वाहन रेली से हुआ, तत्पश्चात बस्ती की महिलाओं प्रियंका शर्मा एवं मनीषा विजय के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं द्वारा भव्य भगवा ध्वज यात्रा निकाली गई एवं कार्यक्रम स्थल पर नाचते गाते पहुंची। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता के चित्र के सामने मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया,

बाद भव्य सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। मुख्य अतिथि 1008 महामण्डलेश्वर रामप्रियदास जी महाराज रामघाट चूली टोंक एवं अध्यक्षता संयोजक सुरेश विजयवर्गीय बिणजारी वाले तथा मुख्य वक्ता गोविन्द क्षेत्रीय संगठन मंत्री विध्या भारती राजस्थान रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक एकजुटता व सांस्कतिक मूल्यों का संरक्षण रहा। मुख्य अतिथि रामप्रियदास महाराज ने सनातन धर्म की विशेषता, हिन्दूत्व की विशेषताओं ओर हिन्दू समाज को एकजुट करने का सन्देश दिया। मुख्य वक्ता गोविन्द ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की 100 वर्ष की यात्रा व हिन्दू की परिभाषा का वर्णन किया। इनके द्वारा दिये गये प्रेरणाद्वारा वक्तत्यों को श्रोताओं ने अत्यंत ध्यान से सुना। सांस्कृतिक कार्यक्रमो में माहित साहू एवं सुमित साहू के सुरिले भजनों ने श्रोताओं का मन मोह लिया।

चिकिर्शा शर्मा द्वारा सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा बस्ती के ही पर्यावरण, गौ-सेवा, धार्मिक, सामाजिक, वरिष्ठजन, वीरमाता खेल इत्यादि कार्यो में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तियों का समान श्रीफल एवं दुपट्टा पहनाकर किया। कार्यक्रम में समिति के अशोक गांधी, श्याम नामा, प्रदीप साहू, सत्यनारायण नामा, रतन शर्मा, संजय शर्मा, भूपेन्द्र, मनोज, अरविन्द, सोहन, हेमराज, रामचरण विजय, मोहित, दशरथ पारीक, घनश्याम भागर्व, विनोद चौधरी, रतिराम पहाडिया, अनंत माथुर, देवीलाल मराठा, रामबाबू गुप्ता, प्रियंका शर्मा, मनीषा विजय, पुरण, गिरिराज, बद्री एवं केदार आदि मौजूद थे। अंत में संयोजक सुरेश विजयवर्गीय बिणजारी वाले आगुन्तकों का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान शिक्षक शिक्षक अंबेडकर जिला टोंक की मांगों को लेकर कल करेंगे धरना प्रदर्शन

हमारा समाचार

टोंक। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर जिला टोंक की बैठक रविवार को बैरवा धर्मशाला में सर्वेश मेहरा की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें प्रदेश स्तरीय बीकानेर निदेशालय में होने वाले धरना प्रदर्शन पर चर्चा की गई। बीकानेर में 29 जनवरी को होने वाले संगठन की विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा हुई तथा जिला टोंक से ज्यादा से ज्यादा सदस्य पहुंचने पर जोर दिया गया। प्रमुख प्रमुख मांगों में रोस्टर रजिस्टर का संधारण, तृतीय श्रेणी के 7 साल से स्थानांतरण खोलने, स्थानांनता नीति का बनाने, छात्रवृत्ति पर बढ़ोतरी पर बढ़ोतरी करने, सभी तरह के रुके हुए प्रमोशनों को जल्दी से जल्दी करने आदि के लिए बीकानेर निदेशालय में धरना प्रदर्शन पर जिलाध्यक्ष जयंती प्रकाश नुवाल एवं जिला मंत्री जितेंद्र बैरवा ने बताया कि सभी पदाधिकारी ने ज्यादा से ज्यादा भाग लेने पर विचार किया गया। बैठक में शिवराज बैरवा, सुरेश कुमार वर्मा, रमेश बोयत, छोटू लाल चंदेल, राम रतन गुगलिया, सीताराम बैरवा, हरिराम बड़ीवाल एवं ओमप्रकाश वर्मा आदि सदस्यों ने अपने विचार प्रकट किये। टोंक जिले से ज्यादा से ज्यादा बीकानेर में होने वाले धरने व प्रदर्शन पर जोर दिया गया।

भामाशाहों के सहयोग से ही गांव का विकास संभव सजना त्रिलोक लोच्छिब

हमारा समाचार

चौमूं। ग्राम सींगोद खुर्द स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भामाशाहों के सहयोग से निर्मित दो कक्षों की छत का लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह मंगलवार को आयोजित हुआ । लगभग 3.26 लाख की लागत से बने इन कक्षों से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिलेंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रशासक सजना त्रिलोक लोच्छिब रहे तथा अध्यक्षता विद्यालय प्रधानाचार्य सज्जन सिंह ने की। इस अवसर पर लोच्छिब ने कहा कि भामाशाहों के सहयोग से ही गांवों का समग्र विकास संभव है। वहीं प्रधानाचार्य सज्जन सिंह ने जनसहयोग को विद्यालय विकास की रीढ़ बताया। समारोह में भामाशाह पूर्व सरपंच त्रिलोक लोच्छिब, सरदार सिंह जाखड़, नेमीचंद गुप्ता, जगदीश घोंसल्या, कन्हैयालाल वर्मा कमलकिशोर ढाका को साफा, माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया कार्यक्रम के दौरान भामाशाहों को प्रेरित करने में योगदान देने वाले पूर्व उपसरपंच गोपाल यादव एवं शिक्षक ओमप्रकाश सैनी की सराहना की गई। अतिथियों ने फीता काटकर कक्षों की छत निर्माण कार्य का उद्घाटन किया।

टोंक के मोहित वैष्णव बने "इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स आईबीआर अचीवर 2027"

हमारा समाचार

टोंक। कोविड-19 महामारी जैसे कठिन समय में जब डर एवं असमंजस का माहौल था, तब टोंक के मोहित वैष्णव ने अपने समूह कम्युनिटी थिएटर टोंक सोसायटी के साथ मिलकर रंगमंच को माध्यम बनाकर रचनात्मक माध्यम से समाज को जागरूक करने का बीड़ा उठाया। उनके इसी उल्लेखनीय सामाजिक योगदान को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2027 में स्थान देते हुए उन्हें आईबीआर अचीवर के प्रतिष्ठित खिताब से सम्मानित किया गया है। इससे पूर्व गूगल की और से भी मोहित को ''लोकल गाइड'' से सम्मानित किया जा चुका हैं। मोहित कुमार वैष्णव ने कोरोना काल के दौरान अपने समूह कम्युनिटी थिएटर टोंक के साथ नुक्कड़ नाटकों, करोना एवं वेक्सीन लगवाने के प्रति जागरूकता आदि के जरिए आमजन तक स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता, मास्क का उपयोग, शारीरिक डिस्टेंसिंग एवं सार्वजनिक जिम्मेदारियों से जुड़े संदेश सरल तथा प्रभावी तरीके से पहुँचाए। उनके नाटकों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों की सोच एवं व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाना था। इस जागरूकता के दौरान मोहित खुद कोरोना पॉजिटिव भी हुए। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की एडिटोरियल बोर्ड द्वारा की गई गहन जांच एवं सत्यापन प्रक्रिया के बाद मोहित के कार्यों को चयनित किया गया। रिकॉर्ड्स संस्था ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि मोहित ने धैर्य, निरंतरता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ यह कार्य किया, जो उन्हें इस सम्मान का योग्य बनाता है। इस उपलब्धि के अंतर्गत मोहित वैष्णव को उपलब्धि प्रमाण पत्र, मेडल, बैज, रिकॉर्ड होल्डर आईडी कार्ड, विशेष पेन एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2026 संस्करण प्रदान किया जाएगा। मोहित की इस उपलब्धि को टोंक जिले के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है। कला, रंगमंच, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बताया है। उनका कहना है कि यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि कला एवं रंगमंच सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। मोहित कुमार वैष्णव ने इस अवसर पर कहा कि यह उपलब्धि अकेले उनकी नहीं, बल्कि कम्युनिटी थिएटर टोंक समूह तथा उन सभी साथियों एवं दर्शकों की है, जिन्होंने इस सामाजिक प्रयास को समर्थन दिया। करोना काल के दौरान कम्युनिटी थिएटर टोंक के द्वारा सम्पूर्ण टोंक ज़िले में कोरोना जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं। टोंक शहर का यह रंगमंच समूह अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए गांव-गांव जाकर व शहरों में कोरोना जागरण फेरी अभियान चला रहे थे। अपनी क्रियात्मकता से यह समूह एक अलग रोचक तरीके से कोरोना स्लोगन एवं गीतों, संवादों के माध्यम से फेरी का आयोजन करते थे।

तरुण कुमार जैन बने युवा ब्लॉक अध्यक्ष

हमारा समाचार

टोंक। अग्रवाल समाज 84 के सानिध्य में ब्लॉक टोंक अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें अग्रवाल समाज चौरासी केंद्रीय समिति अध्यक्ष अनिल मित्तल की अनुमति से सर्व सम्मति से मुकेश मित्तल को ब्लॉक अध्यक्ष, तरुण कुमार जैन को युवा ब्लॉक अध्यक्ष एवं रेखा जैन को महिला ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उपरोक्त सभी का निर्वाचन अग्रवाल जैन समाज ब्लॉक टोंक के सम्मानित सदस्यों एवं समाज के प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से किया गया। अग्रवाल समाज 84 से पवन फागी, विनोद जैन, शांतिलाल, संजय संघी, नरेंद्र, मनोज, हुकम प्रेस वाले, महिला अध्यक्ष श्रीमती बीना, दिगम्बर जैन नसिया कमेटी एवं आदर्श नगर जैन मंदिर कमेटी आदि मौजूद थे।

हर्षोल्लास से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस जलदाय एवं भू-जल मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने किया ध्वजारोहण

हमारा समाचार

टोंक। जिले में 77वां गणतंत्र दिवस सोमवार को बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह पुलिस लाइन ग्राउण्ड में आयोजित किया गया, जहां समारोह के मुख्य अतिथि जलदाय एवं भू-जल विभाग के मंत्री श्री कन्हैया लाल चौधरी ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया। समारोह में मुख्य अतिथि के परेड निरीक्षण के बाद आरएसी, राजस्थान पुलिस, राजस्थान महिला पुलिस, होम गार्ड, एनसीसी, स्काउट्स एवं गाइड की टुकडियां मंच से सलामी लेते हुए गुजरी। आरएसी एवं राजस्थान पुलिस के बैंडों ने राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत धुनें बजाई। मुख्य अतिथि ने वीरांगनाओं एवं उनके परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 49 प्रतिभाओं को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौकरिया ने राज्यपाल महोदय के संदेश का पठन किया। समारोह में विद्यालय की छात्राओं ने सामूहिक देश भक्ति नृत्य प्रस्तुत किये। योग ड्रिल टीम एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक व्यायाम प्रदर्शित किया। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित झांकियां निकाली गई। जिसमें जिला परिषद, चिकित्सा, शिक्षा, वन, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास एवं कृषि विभाग की झांकियां शामिल रही। इस अवसर पर देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, सीईओ परशुराम धानका, एडीएम रामरतन सौकरिया, एसडीएम हुक्मीचंद रोहलानिया, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान समेत जिला स्तरीय अधिकारी, जन-प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच संचालन कवि प्रदीप पंवार एवं स्कूल व्याख्याता कुसुमलता विजयवर्गीय द्वारा किया गया।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने पर्सनल लोन उपलब्ध कराने के लिए गूगल के साथ की साझेदारी

हमारा समाचार

मुंबई। भारत की अग्रणी नॉन-बैंकिंग फाइनैंशियल कंपनियों में से एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने देश भर में गूगल पे के यूज़र्स को कोलेटरल-फ्री पर्सनल लोन उपलब्ध कराने के लिए गूगल पे के साथ सामरिक साझेदारी की है। इस साझेदारी के माध्यम से एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट पर्सनल लोन उपलब्ध कराएगी, जिससे गूगल पे के यूज़र्स को अपनी विभिन्न फाइनैंशियल ज़रूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। अजय पारीक, चीफ़ बिज़नेस ऑफिसर, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने कहा, ''अपनी दीर्घकालिक योजनाओं के तहत एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट, टेक्नोलॉजी के उपयोग और फिनटेक प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारियों के द्वारा डिजिटल ऋण प्रणाली में अपनी लीडरशिप को सशक्त बनाना जारी रखे हुए है। ये प्रयास अपनी पहुंच बढ़ाने, वित्तीय सशक्तीकरण को बढ़ावा देने तथा डिजिटल रूप से समावेशी अर्थव्यवस्था के देश के दृष्टिकोण को समर्थन प्रदान करने पर कंपनी के फोकस को दर्शाते हैं।' इस साझेदारी के माध्यम से ऐप के ज़रिए लोन के लिए आवेदन करने वाले गूगल पे के योग्य यूजर्स को मिनटों में लोन मिल जाएगा। यह आधुनिक डिजिटल प्रक्रिया लोन को सुरक्षित, त्वरित, प्रत्यास्थ एवं आसान बनाएगी, जिससे भारत के डिजिटल सेवी उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतें पूरी हो सकेंगी।

देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी "मनरेगा बचाओ संग्राम" अभियान का आयोजन किया

हमारा समाचार

टोंक । देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी टोंक के नेतृत्व में मंडल हथौना की ग्राम पंचायत बरोनी, बमोर, हरचन्देड़ा, छान, मेन्दवास में ''मनरेगा बचाओ संग्राम'' अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष कैलाशी देवी मीना ने केंद्र की भाजपा सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून के नाम एवं स्वरूप में बदलाव कर इस जनहितकारी कानून को समाप्त करने का षडयंत्र रचा जा रहा हैं। यह गरीब, किसान, मजदूर व महिलाओं के अधिकार पर अघोषित कुठाराघात हैं, जिसमें रोजगार पाने की संवैधानिक गारंटी समाप्त हो जायेगी। फोजूराम मीना व राजेन्द्र बोकण ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। कांग्रेस पार्टी इसे कमजोर नहीं होने देगी। जरूरत पड़ी तो आमजन को साथ लेकर सडक़ों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर रामस्वरूप मीना, रामअवतार प्रजापत, शिवराज बैरागी, कृष्ण गोपाल चौधरी, शिवदयाल पंवार, मन्शाराम मीना ने मनरेगा को बचाने एवं श्रमिकों के हक की लड़ाई को मजबूत करने का आवाहन किया। इस अवसर पर राधाकिशन यादव, बनवारीलाल बैरवा, गोपाल फौजी, अब्दुल गफ्फार, गिर्राज सेन, शंकर गौतम, रामराज मीना नबाबपुरा, महेन्द्र बैरवा, अशोक बैरवा,मनीष मीना चौकी, प्रेम गुर्जर, राजेश गुर्जर, शंकर लाल जाट, सांवरा गुर्जर, महावीर राव, गौरीशंकर विजय, ब्रजेश बसवाल, प्रहलादू मीना एवं सांवरा प्रजापत आदि मौजूद थे।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता रथ को किया रवाना

हमारा समाचार

टोंक। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं भारत सरकार द्वारा बाल विवाह उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे विशेष सौ दिवसीय अभियान एवं नालसा आशा योजना के क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक एवं स्वयंसेवी संगठन सिकोइडिकॉन द्वारा बाल विवाह के दुष्प्रभावों पर समुदाय आधारित जनजागरूकता फैलाने हेतु जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जागरूकता रथ को कार्यवाहक जिला एवं सत्र न्यायाधीश महावीर महावर, न्यायाधीश मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण रंजन सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश दिनेश कुमार जलुथरिया तथा सिकोइडिकोन शाखा टोंक के प्रभारी देवेंद्र जांगिड़ द्वारा संयुक्त रूप से रवाना किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया ने बताया कि नालसा आशा योजना का उद्देश्य समुदाय में बाल विवाह जैसी हानिकारक परंपराओं के उन्मूलन, बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इसी उद्देश्य के तहत जागरूकता रथ के माध्यम से नागरिकों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, बाल विवाह के सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभाव, तथा रोकथाम हेतु उपलब्ध नालसा हेल्पलाइन 15100 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी प्रदान की जाएगी। जागरूकता रथ 01 फरवरी तक टोंक शहर के सभी वार्डों में व्यापक जागरूकता गतिविधियाँ संचालित करेगा, जिसके पश्चात अभियान का विस्तार निवाई ब्लॉक में किया जाएगा। यह पहल समुदाय स्तर पर बाल विवाह उन्मूलन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने तथा विधिक जागरूकता को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान चीफ एल.ए.डी.सी. रमेश शर्मा एवं अन्य एल.ए.डी.सी. अधिवक्तागण उपस्थित रहे ।

अकबर खान ने किया झण्डारोहण

हमारा समाचार

टोंक। अरब साहब का बाग रजबन में बनास पब्लिक स्कूल में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी टोंक जिला महासचिव अकबर खान ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सलीमउद्दीन खां ने की। सलीमउद्दीन खां ने बताया कि बनास पब्लिक स्कूल में इंग्लिश मीडियम के साथ मुस्लिम तालीम भी दी जाती हैं, क्योंकि की यहां पर साउथ के कोर्स के साथ इंग्लिश मीडियम उर्दू तालीम भी बच्चों की दी जाती है । अकबर खान ने नन्हे मुन्ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुझे बनास पब्लिक स्कूल में आकर बहुत अच्छा लगा, साथ ही यहा के बच्चे में जो तालीम देखने को मिली वो तारीफ़ें काबिल है।

दस माह पहले लगाई सौर ऊर्जा लाइट हुई बीमार 'इलाज कराने वाले लापता

ग्राम पंचायत बामनेरा का विकास देने लगा लाल सिंगल 'इंजन हुआ फैल

हमारा समाचार

सुमेरपुर। पंचायत समिति सुमेरपुर की ग्राम पंचायत बामनेरा में सर्वांगीण विकास का सिंगल फैल हो चुका है। ग्राम पंचायत के अधीन तीन गांव स्थित है जिसमें गांव बामनेरा,पोयणा,धनापुरा है। इन तीनों गांवों में विकास कार्यों की बाढ आ गई । जिसमें गलियों में सीसी सड़क,सौर ऊर्जा लाइट, पानी निकासी हेतु नाली नाला जैसे कई विकास कार्य किए गए हैं,फिर भी जनता इनसे संतुष्ट नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार गांव पोयना, धनापुरा और बामनेरा में कई पानी निकासी की समस्या खत्म नहीं हुई है,गांवों की कई गलियों में कीचड़ फैला हुआ तो कई स्थानों पर गंदगी का साम्राज्य बना हुआ है। धनापुरा की बात करे तो महादेव चौक पर कीचड़ और गंदगी पसरी हुई है,इसी तरह पोयना में नालियों का काम अधूरा है। जिससे घरों का गंदा पानी गलियों सड़कों पर बहता रहता है। ऐसा नजारा आपको विशेष रूप से पोयणा और धनापुरा में देखने को मिलेगा। इसी तरह सांकलाराम मेघवाल और भीमाराम कुम्हार के घर के बाहर कीचड़ और गंदा पानी भरा पड़ा रहता है। इसी प्रकार धनापूरा की गलियों में भी यही हाल मंडरा रहा है।

दस माह में ही सौर ऊर्जा देने लगी लाल सिंगल

ग्रामीणों ने बताया कि गांव पोयणा में सौर ऊर्जा लाइट लंबे समय से खराब पड़ी थी,जहां ग्रामीणों के निवेदन पर ग्राम पंचायत ने कुल दस नई लाइट की खरीदी कर प्रमुख मार्गो पर लगाई गई थी। दस माह पूर्व ही इन लाइटों ने विकास एवं गुणवत्ता की पोल खोल दी। गली किनारे लगी हुई लाइट कोई लपक झपक कर रही है तो कोई लाइट लाल सिंगल दे रही है,वही किसी की बैटरी तो किसी की एलईडी गायब है,सिर्फ खंभा खड़ा है। यह विकास आने जाने वाले लोगों को लाल सिंगल देकर बोल रहा है कि हम बीमार है,लाल खतरा मंडरा रहा है' मुझे उपचार के लिए लेकर जाओ,पर इनको ले जाने वाले खुद बीमार है और लापता हो गए हैं। ग्राम पंचायत की ओर से अच्छी क्वालिटी की खरीदी गई सौर ऊर्जा लाइटो ने दस माह में ही दम तोड़ती हुई नजर आ रही है। ग्रामीणों ने कहा कि सौर ऊर्जा लाइट बंद होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इधर विकास कार्यों की सोशल मीडिया पर धम मची हुई है,तो दूसरी तरफ ग्रामीण विकास कार्य की पोल खोल रहे हैं।देखरेख के अभाव में कुछ ही दिनों में हजारों का विकास कबाड़ हो गया है। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली रिपेयरिंग करवाना कोई बड़ा काम नहीं है, बिल्कुल छोटा है। ग्राम पंचायत की इस पहल से ग्रामीणों को रात के समय में पहले जैसे अभी भी राहत मिल सकती है।

धनापुरा में गंदगी का आलम

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ गांव धनापुरा में मुख्य चौक सड़क पर गंदगी का आलम है। यह गंदगी किसी गली या घर के सामने नहीं,बल्कि सरकारी भवनों के सामने फैली हुई है। गांव के जागरूक नागरिक विक्रम सिंह के साथ अन्य लोगों ने बताया कि ' गांव में पानी निकासी हेतु नाला नाली बनाई गई है,जबकि उसमें गंदा पानी न बहकर सड़कों पर बहता है। जिसका मुख्य कारण यह है कि उक्त नाली नालों की सफाई नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी रहती है। यह समस्या एक दिन की नहीं 5 साल से ग्रामीण झेल रहे हैं। नाले की बजाय गांव का गंदा पानी स्कूल और अस्पताल के बाहर जमा हो रहा है जिससे विद्यार्थियों एवं मरीजो के साथ ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि इस समस्या के लिए ग्रामीणों ने कई बार ग्राम पंचायत को अवगत कराया गया,लेकिन अभी तक उनकी नींद नहीं उड़ी है। समस्या जस की तस बनी हुई है। इसी तरह ग्रामीणों ने कहा कि गांव में लगभग 10 से 15 सौर ऊर्जा लाइट लगी हुई है जो कि पिछले कई वर्षो से बंद पड़ी है। किसी की बैटरी चोरी हो गई है तो किसी की एलईडी लाइट नहीं, कई जगह तो पोल भी झुक गए हैं। इसका जिम्मेदार ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत को ठहराया है।

उदासीनता का नतीजा

विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासन के साथ ग्राम पंचायत लापरवाह हैं। उन्होंने कहां की गांव धनापुरा की गोचर भूमि पर लोग कब्जा कर रहे हैं। साथ ही वार्ड संख्या 8 में जो सीसी रोड बना कर एक साल ही हुआ है,उसकी हालात पूरी तरह से खराब हो गई है। सीसी सड़क सतिग्रस्त होने के कारण बारिश का पानी जमा रहता है। विकास की बात करें तो ग्राम पंचायत का मुखिया पूरी तरह से लापरवाह है। उनकी उदासीनता का खामियाजा ग्रामीण भुगत रहे हैं।

गणतंत्र अधिकारों-कर्तव्यों का पर्व एवं संविधान की रीढ़ डॉ. आंबेडकर : विधायक धनकड़

हमारा समाचार

पावटा। उपखंड मुख्यालय पावटा में सोमवार को 77वाँ गणतंत्र दिवस राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में राष्ट्रीय उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, हंश महाविद्यालय, राजकीय सीनियर स्कूल, रॉयल एकेडमी, सन राइज सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, स्काउट दल सहित अन्य इकाइयों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। सांस्कृतिक मंच पर बच्चों ने देशभक्ति, लोकनृत्य और स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं।

बड़ी संख्या में ग्रामीण, अभिभावक और छात्र मैदान में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक कुलदीप धनकड़ ने कहा कि गणतंत्र केवल उत्सव नहीं, बल्कि संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों, कर्तव्यों और समान अवसरों का राष्ट्रीय पर्व है। उन्होंने कहा भारत का संविधान हमें न्याय, स्वतंत्रता और समानता का मजबूत आधार देता है। हमारे गणतंत्र और संविधान की रीढ़ भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर हैं, जिनकी दूरदर्शिता और सामाजिक न्याय की सोच से ही नया भारत खड़ा है। उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा ने राज्यपाल का संदेश वाचन किया। विरांगनाओं, शिक्षकों और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों का सम्मान किया गया। हालांकि सम्मान वितरण के दौरान कुछ सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं द्वारा बार-बार मंच पर जाकर अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाने की घटनाएँ चर्चा में रहीं। लोगों ने इसे 'राजनीतिक शिष्टाचार और प्रशासनिक मर्यादा की अनदेखी' बताया। इसी प्रकार प्रागपुरा कस्बे के पीएम श्री महात्मा गांधी विद्यालय में भी गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य विपिन कुमार मामोडिया ने की। प्रधानाचार्य मामोडिया ने कहा गणतंत्र दिवस केवल ध्वजारोहण नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्रभावना, जिम्मेदारी और अनुशासन की प्रेरणा का दिवस है। विद्यालय का लक्ष्य बच्चों को उत्कृष्ट नागरिक बनाना है। विद्यालय के छात्रों ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, कविताएँ और मूक अभिनय प्रस्तुत कर सभी को भावुक किया।

'विविधता में एकता' पर आधारित प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। इसी प्रकार जवाहर नवोदय विद्यालय पावटा, जोधपुरा के सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भांकरी, खेलना व आसपास के विद्यालयों में भी हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस दौरान तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी फतेह सिंह मीणा, बीईईओ धर्मवीर जिंदोलिया, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुशिला यादव, सीडीपीओ संगीता यादव, बार एसोसिएशन अध्यक्ष रामनिवास यादव, पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल, प्रागपुरा जीएसएस अध्यक्ष उपेंद्र सिंह, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद चौहान, व्याख्याता धोलाराम यादव, रामजीलाल गुर्जर, निखिल गुप्ता, सुभाष चंद स्वामी, मालाराम यादव, गोपाल अग्रवाल सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई, 71 हजार रुपए का किया जुर्माना

हमारा समाचार

जयपुर। शहर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम जयपुर द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक एवं गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर स्वास्थ्य शाखा के दस्ते द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य शाखा की टीम ने ब्रह्मपुरी स्थित खंडेलवाल ढाबा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ढाबा परिसर में गंदगी एवं स्वच्छता मानकों की अनदेखी पाए जाने पर संबंधित ढाबा संचालक के खिलाफ 21 हजार रुपए का चालान किया गया। वहीं, नेहरू बाजार क्षेत्र में की गई जांच के दौरान एक दुकान पर सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पाया गया, जिस पर नगर निगम द्वारा 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं, नेहरू बाजार क्षेत्र में की गई जांच के दौरान एक दुकान पर सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पाया गया, जिस पर नगर निगम द्वारा 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा शहर के प्रमुख बाजारों एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग और गंदगी फैलाने पर आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आमजन एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें और सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें, ताकि जयपुर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सके।

फुल टाइम, स्थायी नौकरी की मांग को लेकर योग प्रशिक्षक देंगे शहीद स्मारक पर धरना

हमारा समाचार

जोरपुरा । अखिल राजस्थान योग प्रशिक्षक महासंघ के आह्वान पर 28 को सुबह 11 बजे से 4 बजे तक राजधानी जयपुर के शहीद स्मारक पर हजारों योग प्रशिक्षक पहुंचकर फुल टाइम संविदा कैडर एवं स्थायी नौकरी की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन करेंगे।महासंघ के प्रदेश संरक्षक डॉ. बी. एल. कुमावत ने बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं ने योग प्रशिक्षकों को फुल टाइम स्थायी नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन अब तक वह पूरा नहीं हुआ है।

योग प्रशिक्षक पिछले पाँच वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें मात्र 5,000 से 8,000 रुपये मानदेय दिया जा रहा है। इस महंगाई के दौर में इतने कम वेतन में परिवार का पालन पोषण करना बेहद कठिन हो गया है। कई महिलाएं योग पर शिक्षकों को रोजाना 40-45 किलोमीटर तक आवागमन करना पड़ता है फिर भी इन्हें तो स्थाई सेवा सुरक्षा मिली है और नहीं फुल टाइम वेतनमान। कुमावत ने बताया है कि आयुर्वेद योग प्रशिक्षको ने अपनी मांग को लेकर पहले भी कहीं ज्ञापन दे चके हैं। जैसे जिला कलेक्टर, विधायक, मंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं मुख्यमंत्री तक सैकड़ो ज्ञापन सौंप चुके हैं पर अभी तक इनका कुछ भी नहीं हुआ। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं ने योग प्रशिक्षकों से वादा किया था कि यदि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनती है तो आयुर्वेद योग प्रशिक्षको के लिए फुल टाइम स्थाई पद सृजित किए जाएंगे। लेकिन सरकार बनने के बाद से लेकर अब तक यह वादा पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा है कि योग दिवस पर सरकार योग की उपलब्धियां का श्रेय लेती है लेकिन योग को जन-जन तक पहुंचने वाले पर प्रशिक्षकों लिए योगदान को नजरअंदाज किया जा रहा है। यह सरकार की दोहरी नीति का प्रतीक है। दिनेश नांगल ने कहा कि बीते पाँच वर्षों से चली आ रही फुल टाइम संविदा कैडर की मांग को सरकार ने अब तक अनदेखा किया है। अब योग प्रशिक्षक प्रदेश स्तर पर आंदोलन को तेज करेंगे।

श्रीकृष्ण गौशाला प्रागपुरा की नविन कार्यकारिणी का गठन

भामाशाह बजरंग लाल चौधरी पुनः अध्यक्ष निर्वाचित

हमारा समाचार

पावटा। सोमवार को ग्राम सेवा सहकारी समिति कार्यालय प्रागपुरा में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के बाद श्रीकृष्ण गौशाला प्रागपुरा की नविन कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। सर्व समाज के गणमान्य नागरिकों ने विचार-विमर्श किया और पूर्व में भी सफलतापूर्वक अध्यक्ष पद संभाल चुके भामाशाह बजरंग लाल चौधरी को पुनः अध्यक्ष के रूप में चुना। चौधरी के पुनर्निर्वाचन पर ग्रामीणों ने माला एवं साफा पहनाकर उनका स्वागत किया और गौशाला के सुचारू संचालन की आशा व्यक्त की। सभा में वक्ताओं ने कहा की गौशाला केवल पशुधन संरक्षण का केंद्र नहीं बल्कि समाज की आस्था, सेवा और सांस्कृतिक मूल्य का प्रतीक है। नई कार्यकारिणी से अपेक्षा है कि गौ सेवा, गौ संरक्षण और गौशाला विकास के लिए ठोस एवं पारदर्शी कार्य होंगे। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ग्रहण करने के बाद बजरंग लाल चौधरी ने कहा, यह दायित्व मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ सेवा का अवसर है। पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता से कार्य करते हुए गौशाला को आत्मनिर्भर एवं आदर्श संस्था बनाने का प्रयास करूंगा। कार्यक्रम में प्रागपुरा जीएसएस अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह, पूर्व सरपंच कैलाश चंद सैनी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिम्भूदयाल हाडिया, पूर्व पंच राजेंद्र स्वामी, सरदार मल सैनी, ज्ञानचंद चावला, जितेन्द्र यादव, करण सैनी, रोहिताश सैनी, मन्नालाल सैनी, मातादीन मेहरा, मोहम्मद फरीद, ख्यालीराम जाट, सुभाष मेहरा, छाजूराम जाट, श्याम सुंदर चावला, सत्यनारायण जाट, अयूब लुहार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह में एडवोकेट बी.एल. आर्य एवं हजारी लाल सम्मानित

हमारा समाचार

पावटा। पावटा उपखंड स्तरीय 77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पावटा में सोमवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़, वहीं अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा तथा तहसीलदार लोकेन्द्र मीणा उपस्थित रहे। समारोह के दौरान क्षेत्र में अपनी विशिष्ट सेवाओं, सामाजिक योगदान एवं विधिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका के लिए एडवोकेट बी.एल. आर्य को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार विधायी एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए वरिष्ठ एडवोकेट हजारी लाल यादव को भी समारोह में सम्मानित किया गया। सम्मान के दौरान मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में मौजूद बार एसोसिएशन अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास यादव, सचिव सुरेंद्र शेखावत, एडवोकेट लोकेश शर्मा, राजेन्द्र कुमार जाट, मेहर सिंह, दिनेश दायमा, नरेश यादव, निर्मल मौर्य, अशोक सिंह गुर्जर, दिलीप सिंह शेखावत, धर्मपाल यादव, महेंद्र बोहरा सहित अन्य अधिवक्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने दोनों अधिवक्ताओं को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

यूजीसी के नये नियमों से अगड़े-पिछड़े में फूट, सियासत भी तेज

हमारा समाचार

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के एक नए नियम ने उच्च शिक्षा संस्थानों ही नहीं, समाज में भी 'आग' लगा दी है। बीजेपी अभी तक जिस हिन्दू समाज को एकजुट करने के लिए बड़े-बड़े कार्यक्रम चला रही थी, सबको एक मंच पर लाने की कोशिश कर रही थी, उसके सामने यूजीसी ने ऐसा 'धर्म संकट' पैदा कर दिया है, जिसके एक तरफ खाई तो दूसरी तरफ कुंआ है। हिन्दू समाज अगड़े-पिछड़ों में बंट कर एक-दूसरे के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। ऐसे में सरकार समाज के एक वर्ग को साधती है तो दूसरा नाराज हो जाता है, दूसरे को साधती है तो पहला नाराज हो जाता है। वैसे तो यूजीसी ने नए नियम बनाते हुए इससे जातिगत भेदभाव रोकने का दावा किया है, लेकिन इसी नियम ने सवर्ण छात्रों के लिए इसे खतरा बताते हुए हिन्दुओं में अगड़े-पिछड़ों के बीच नई दरार पैदा कर दी है।

वैसे यह नियम सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बने हैं, लेकिन यह नियम सुप्रीम कोर्ट की मंशा के

कितना अनुरूप हैं, यह चर्चा का गरमागरम मुद्दा बन गया है। बहरहाल, ऐसा लगता है कि यूजीसी के ये नियम समाजवादी पार्टी को राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, जबकि भाजपा को नुकसान पहुंचाने की आशंका है। वहीं कुछ बुद्धिजीवी यह भी मानते हैं कि बीजेपी ने दलितों और पिछड़ों की बड़ी आबादी को अपने पक्ष में करने के लिए नए बदलाव किए थे, क्योंकि यह मानकर चला जा रहा था कि सवर्ण मतदाताओं के सामने बीजेपी के अलावा कहीं और जाने का रास्ता नहीं है। उधर, इस मुद्दे पर चल रहे आंदोलन तेज होते जा रहे हैं। वहीं, यूजीसी के नए नियम और माघ मेला विवाद के बाद सुर्खियों में आए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान को लेकर उत्तर प्रदेश के जिला बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और आंदोलन पर उतर आए। पहले बात विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उस नियम की, जिसे उसने 13 जनवरी 2026 को उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता बढ़ावा देने वाला नया नियम बताते हुए जारी किया, जो 15 जनवरी से सभी मान्यता प्राप्त कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में लागू भी हो गए। इन नियमों का उद्देश्य कैंपसों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के साथ होने वाले कथित भेदभाव को समाप्त करना बताया गया है। हर संस्थान को समान अवसर केंद्र स्थापित करना अनिवार्य कर दिया गया, जिसमें समता समिति बनेगी जो शिकायतों का निपटारा करेगी। लेकिन इन नियमों ने सवर्ण छात्रों में भय पैदा कर दिया क्योंकि भेदभाव की परिभाषा में केवल इन्हीं वर्गों को पीड़ित माना गया है, जबकि सवर्णों को संभावित अत्याचारी ठहराया जा सकता है। झूठी शिकायतों पर कोई सजा न होने से दुरुपयोग की आशंका बढ़ गई। सवाल यह है कि यूजीसी के सामने ऐसी क्या आवश्यकता थी इन नियमों की, यह प्रश्न इसलिए उठाया गया क्योंकि पहले से ही भेदभाव रोकने के उपाय मौजूद थे। आलोचकों का कहना है कि ड्राफ्ट में अन्य पिछड़ा वर्ग को शामिल न करने पर आपत्ति हुई, तो अंतिम रूप में जोड़ा गया, जिससे सामान्य वर्ग के छात्र उच्च कटऑफ तथा पूर्ण शुल्क का बोझ सहते हुए और असुरक्षित हो गए। रोहित वेमुला मामले तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद यह कदम उठाया गया, लेकिन इससे हिन्दू समाज में नई फूट पड़ रही है। सवर्ण संगठनों ने इसे सामाजिक तनाव फैलाने वाली साजिश करार दिया। कहां हुई चूक, तो चूक यही है कि नियम एकतरफा बने, सवर्णों के अधिकारों की अनदेखी की गई तथा झूठी शिकायतों पर अंकुश न लगाया। वहीं दूसरी तरफ इसे हिन्दुओं के बीच मतभेद पैदा करने का जिम्मेदार यूजीसी तथा केंद्र सरकार को ठहराया जा रहा है। सवर्ण आर्मी तथा राष्ट्रीय हिंदू सनातनी सेना जैसे संगठनों ने आरोप लगाया कि यह हिन्दू एकता तोड़ने का प्रयास है। भाजपा सरकार पर इल्जाम है कि वह पिछड़े वर्गों को साधने के चक्कर में सवर्ण भाइयों को कुर्बान कर रही है। इससे समाज में अगड़े-पिछड़ों का भाईचारा खतरे में पड़ गया। बात समाजवादी पार्टी की करें तो नए नियम से समाजवादी पार्टी को बड़ा फायदा हो सकता है क्योंकि वह पिछड़े तथा दलित वोटों पर निर्भर है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, ऐसे में सवर्ण असंतोष से भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लग सकती है। पार्टी के नेता इसे सामाजिक न्याय का हथियार बना सकते हैं। वहीं भाजपा को भारी नुकसान की संभावना है क्योंकि उसके कई युवा मोर्चा पदाधिकारी तथा सवर्ण नेता इस्तीफा दे चुके हैं।

पार्टी को सवर्णों का समर्थन खोने का डर सता रहा है। यह मुद्दा उग्र रूप धारण कर सकता है क्योंकि सोशल मीडिया पर अभियान तेज है तथा सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर हो चुकी है। यदि नियम वापस न हुए तो पूरे देश में आंदोलन फैल सकते हैं। गौरतलब है, आंदोलनों की शुरुआत 15 जनवरी के बाद हुई जब सोशल मीडिया पर विरोध शुरू हुआ। लखनऊ के हजरतगंज में राष्ट्रीय हिंदू सनातनी सेना ने विशाल प्रदर्शन किया, जिसमें अध्यक्ष राहुल हिंदू ने इसे काला कानून बताते हुए विधानसभा घेराव की चेतावनी दी।

हमारा समाचार

हमारा समाचार

आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2012/45657

8

जयपुर, बुधवार 28 जनवरी 2026

जोबनेर में विराट हिन्दू सम्मेलन का सफल, भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन, संतों ने आध्यत्म, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक एकता का किया मार्गदर्शन

हमारा समाचार

जयपुर। जोबनेर नगर में आयोजित विराट हिन्दू सम्मेलन अत्यंत भव्य, अनुशासित एवं ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। इस अवसर पर साधु हीरा पूरी महाराज, त्रिलोकीनाथ महाराज एवं साध्वी समदर्शी गिरी ने अपने दिव्य आशीर्वचनों व ओजस्वी वक्तव्यों से उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के श्रीराम जी रहे। विशेष रूप से साध्वी समदर्शी गिरी के ओजस्वी, राष्ट्रप्रेरक एवं भावनाओं को झकझोर देने वाले वक्तव्य ने उपस्थित जनसमूह के रोंगटे खड़े कर

दिए। उनके विचारों ने समाज में चेतना, आत्मबोध एवं संगठन की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण उत्साह, श्रद्धा एवं ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। सम्मेलन के दौरान समाजसेवा एवं आयोजन में विशेष योगदान देने वाले भामाशाहों का मंचासीन संत-महात्माओं एवं अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया।

साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को आयोजन समिति द्वारा परितोषिक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। यह क्षण उपस्थित जनसमूह के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। आयोजन समिति के अध्यक्ष फूलचंद मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि नया बाजार, जोबनेर में दोपहर 12.30 बजे प्रारंभ हुए इस विराट सम्मेलन में जोबनेर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोग उपस्थित रहे। जनसमूह की अभूतपूर्व सहभागिता ने आयोजन को अत्यंत सफल बनाया। आयोजन समिति के अनुसार इस सम्मेलन का उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक चेतना का जागरण, सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना तथा आध्यात्मिक मूल्यों का संरक्षण एवं संवर्धन करना था, जिसमें समिति पूर्णतः सफल रही। सम्मेलन ने समाज में एकता, जागरूकता एवं सकारात्मक सोच का सशक्त संदेश दिया। आयोजन समिति ने सम्मेलन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी संत-महात्माओं, वक्ताओं, भामाशाहों, प्रबुद्धजनों, कार्यकर्ताओं, प्रशासन तथा जोबनेर एवं आसपास के समस्त हिन्दू भाई-बहनों का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

पंचायती राज सशक्तिकरण सम्मेलन को लेकर कुड़ी ने किया जनसंपर्क

हमारा समाचार

जयपुर। आगामी पंचायती राज चुनाव की तैयारी के सिलसिले में बीजेपी सरकार द्वारा पंचायती राज, निकाय व्यवस्था को कमजोर किए जाने के विरोध में आयोजित सम्मेलन के लिए कांग्रेस नेता बनवारी लाल कुडी ने जनपसम्पर्क किया। कुडी ने बताया कि बुधवार 28 जनवरी 2026 को प्रातः 11.30 बिरला ऑडिटोरियम जयपुर में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी रंधावा की उपस्थिती में कांग्रेस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। पंचायती राज संगठन राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सी.बी. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में संगठित ढांचा मजबूत बनाया जा रहा है।

कुड़ी ने इस महासम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को भाग लेने के लिए आज फुलेरा ओर झोटवाड़ा विधानसभा के दर्जनों गांवों में जनसंपर्क किया और डोढी, सिनोदिया, काचरोदा, ढ़ाणी बोराज, जोबनेर हिंगोनिया तक के कार्यकर्ताओं को पीले चांवल बांटे। बुधवार को दोनो विधानसभाओं से सैकड़ों वाहनों से कांग्रेसी कार्यकर्ता सुबह बंशीपुरा से दस बजें जयपुर के लिए रवाना होंगे। जनसंपर्क में कानाराम ईराकी, डाल चंद झांझड़ा, सुरेन्द्र बायला, कल्याण सहाय चौपड़ा, मालीराम सांप, हरदेव दातेल, हनुमान बाना, कानाराम सुण्डा साथ रहें ।

प्रदेश के सबसे बड़े मेडिकल-कॉलेज में टीबी की जांच बंद

सरकार से किट नहीं मिलने के कारण SMS में 3 महीने से नहीं हो रहे CB-NAAT टेस्ट

हमारा समाचार

राजस्थान को टीबी-मुक्त बनाने का सरकारी सपना जमीनी हकीकत में दम तोड़ता हुआ नजर आ रहा है। हालात ऐसे हैं कि प्रदेश की सबसे अहम टीबी जांच सीबी-नॉट(CB-NAAT) के बिना ही हेल्थ सिस्टम चल रहा है। किट की भारी कमी के चलते राज्य की सभी ग्राम पंचायतों को टीबी-मुक्त बनाने का अभियान लगभग ठप पड़ गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि राजधानी जयपुर के सबसे बड़े सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में भी पिछले करीब 3 महीनों से यह जांच पूरी तरह बंद पड़ी है, जिससे सैकड़ों मरीज रोजाना इलाज के लिए भटकने को मजबूर हैं। दरअसल, सरकार का हेल्थ डिपार्टमेंट प्रदेश में टीबी की प्रमुख जांच सीबी नॉट (CB-NAAT) के लिए किट ही नहीं उपलब्ध करवा पा रहा है।

राजधानी जयपुर के सबसे बड़े सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में भी पिछले करीब 3 महीनों से टीबी जांच पूरी तरह बंद पड़ी है, जिससे सैकड़ों मरीज रोजाना इलाज के लिए भटकने को मजबूर हैं। राजधानी जयपुर के सबसे बड़े सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में भी पिछले करीब 3 महीनों से टीबी जांच पूरी तरह बंद पड़ी है, जिससे सैकड़ों मरीज रोजाना इलाज के लिए भटकने को मजबूर हैं।

आसपास की हॉस्पिटलों में भी जांचे बंद

ये स्थिति SMS मेडिकल कॉलेज ही नहीं, बल्कि जयपुर जिले के आसपास के सरकारी हॉस्पिटल (उप जिला, जिला हॉस्पिटल, सैटेलाइट) में भी यही हालात है। इन जगहों पर भी पिछले एक माह से किट नहीं होने के कारण जांचे बंद पड़ी है।

लंबे समय से नहीं हो रही किट सप्लाई

स्टेट टीबी नोडल ऑफिसर डॉ. पुरुषोत्तम सोनी ने बताया कि लंबे समय से किट की सप्लाई नहीं हो रही है। दिल्ली में भी डिमांड भेज रखी है और राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लि. को भी भेज रखी है। दोनों जगह टेंडर की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, जिसके कारण सप्लाई नहीं आ रही।

हर महीने की जाती है 40 हजार से ज्यादा जांचे

अगर रिपोर्ट देखें, तो राजस्थान के तमाम सरकारी हॉस्पिटलों में हर महीने करीब 40 हजार या कभी उससे ज्यादा मरीजों की टीबी की जांच की जाती है। लेकिन ये पिछले 2-3 महीने से बंद है।

खांसी से परेशान मरीजों के लिए सीबी-नॉट की जांच जरूरी

मेडिकल कॉलेज के ही प्रोफेसर और कॉलेज से अटैच हॉस्पिटल (सवाई मानसिंह हॉस्पिटल, जे.के. लोन, सैटेलाइट बनीपार्क, कांवटिया, गणगौरी, सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय और जनाना हॉस्पिटल) के डॉक्टर्स ने बताया कि लंबे समय से खांसी से परेशान जितने भी मरीज आ रहे है, उनकी जांच के लिए CB-NAAT टेस्ट जरूरी है। डॉक्टर इस जांच को लिख तो रहे है, लेकिन मेडिकल कॉलेज में जब मरीज सैंपल लेकर पहुंच रहे है, तो उनको निराश लौटना पड़ रहा है। इस कारण कई मरीजों के इलाज में भी देरी हो रही है। क्योंकि 2-4 दिन चक्कर काटने के बाद मरीज को जांच निजी लैब से करवानी पड़ रही है।

पी.एन.स्कूल में 77 वा गणतंत्र दिवस मनाया हर्षोल्लास से मनाया

हमारा समाचार

जयपुर। करणसर कस्बे स्थित पी. एन .पब्लिक सी .सै. स्कूल में 77 वा गणतंत्र दिवस समारोह प्रबंध समिति अध्यक्ष गोपाल लाल कुमावत की अध्यक्षता एवं हरिओम शर्मा के मुख्य आतिथ्य में बड़ी धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ठाकुर मानसिंह शेखावत , गोपाललाल माईवाल, किशनलाल यादव थे।

कार्यक्रम में स्कूल के बालक बालिकाओ ने रंगा रंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों यथा देशभक्ति,

राजस्थानी एवं हरियाणवी गीत, गानों सहित अच्छे अच्छे प्रोग्राम प्रस्तुत किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन, जिला एवं राज्य स्तरीय खिलाड़ी, अनुशासन , मनोरंजन , खेलकूद,सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल दो दर्जन से अधिक बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मेहमानों, भामाशाहों, अभिभावकों का मल्यार्पण कर स्वागत किया गया। निदेशक परमानन्द पूनिया ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय के दो छात्रों कृष्णा मीणा और पंकज पूनिया का जोबनेर तहसील उपखण्ड स्तर पर बेस्ट प्लेअर के लिए सम्मानित करने हेतु चयन किया गया है। गोपाल लाल कुमावत ने भी बच्चों को भारतीय संविधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उसका अनुसरण करने की सलाह दी।

आरयू में छात्रों और प्रशासन के बीच तीखी झड़प, शिक्षक संघ के चुनावों के विरोध में उतरे छात्र

हमारा समाचार

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ। शिक्षक संघ के चुनावों का विरोध करते हुए छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। छात्र नेता शुभम रेवाड ने जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर आंदोलन अब उग्र रूप ले चुका है। आक्रोश से भरे छात्रों ने शिक्षक संघ

के नामांकन केंद्र पर धावा बोला और नामांकन प्रक्रिया को रोक दिया और कहा जब तक छात्र संघ चुनाव नहीं तब तक कोई और चुनाव भी नहीं होगा। शिक्षक संघ के चुनावों को छात्र नेता शुभम रेवाड़ ने प्रशासन की तानाशाही बताया और कहा है कि छात्रों पर हो रहा यह अत्याचार उन्हें कमजोर नहीं बल्कि और मजबूत करेगा। शुभम रेवाड़ ने कहा कि क्या प्रशासन छात्रों की आवाज़ से डरता है? बिना छात्र लोकतंत्र के कोई भी दूसरा चुनाव स्वीकार्य नहीं है।

जल वायु टावर में उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

विविध मनोरंजक गतिविधियों सहित खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

हमारा समाचार

जयपुर। बोयतावाला स्थित एयरफोर्स नेवल हाउसिंग बोर्ड की जल वायु टावर सोसायटी में गणतंत्र दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर सोसायटी परिसर राष्ट्रभक्ति के रंगों से सराबोर नजर आया। मुख्य समारोह के दौरान तिरंगा फहराया गया, जिसके पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की गरिमामयी शुरुआत हुई। इस अवसर पर सोसायटी के रहवासियों के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं सामूहिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिससे कार्यक्रम में पारिवारिक सहभागिता और उल्लास का वातावरण बना रहा।

सोसायटी की प्रबंधन समिति द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इस वर्ष विशेष रूप से खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया

गया, जिसमें सोसायटी के रहवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए खेल भावना और आपसी सौहार्द का परिचय दिया। आयोजन के तहत टेनिस, बैडमिंटन, पिकलबॉल, कैरम एवं शतरंज जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें प्रतिभागियों ने अपने कौशल, अनुशासन और खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। टेनिस प्रतियोगिता में विशाल एवं तेजेन्द्र की जोड़ी ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। पिकलबॉल युगल प्रतियोगिता में सौरभ पारीक एवं नरेन्द्र सिंह शेखावत की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में सुरेश हुड्डा एवं सुरेन्द्र कुमार विजेता रहे, जबकि कैरम प्रतियोगिता में सुखवीर सिंह शेखावत एवं सतपाल गुर्जर की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा पिकलबॉल एकल मुकाबलों में नरेन्द्र सिंह शेखावत ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया। शतरंज (पुरुष वर्ग) में रोशनलाल विजेता रहे, वहीं महिला शतरंज प्रतियोगिता में प्रीति गुर्जर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। समारोह के समापन पर आयोजित सम्मान समारोह में सभी खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं उपविजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सोसायटी प्रबंधन समिति ने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से सामुदायिक एकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई।

शेखावाटी विश्वविद्यालय में मनाया गणतंत्र दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस सिर्फ उत्सव नहीं, भविष्य की योजनाओं पर विचार करने का दिनः कुलगुरु प्रो. राय

हमारा समाचार

सीकर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय एवं सारस्वत अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव डॉ. आलोक मिश्रा और विवि के अधिकारियों ने झंडारोहण किया और गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। समारोह के सारस्वत अतिथि प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. आलोक मिश्रा ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल अधिकारों का नाम नहीं है, बल्कि कर्तव्यों की पूर्ति का संकल्प भी है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि उत्सव तभी सार्थक होता है जब उसमें उत्साह के साथ-साथ चेतना हो। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो.अनिल कुमार राय ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की योजनाओं पर विचार करने का अवसर है। प्रोफेसर राय ने कहा कि आज का दिन उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं को नमन करने का दिन है, जिन्होंने अपने जीवन का हर क्षण देश के लिए समर्पित किया। इससे पहले कुलगुरु प्रो. राय और डॉ. मिश्रा ने शहीद स्मारक और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्वेता यादव ने आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रामनिवास मंडोलिया के लिए डी.बी. कॉर्प लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, शिवदासपुरा टोंक रोड, जयपुर राज. से मुद्रित एवं 84 मंडोलियों की ढ़ाणी जोबनेर रोड़ कालवाड़ जयपुर, (राज.) से प्रकाशित, संपादक रामनिवास मंडोलिया मो.- 9461162346, सिटी कार्यालयः 42, कोस्मो कॉलोनी, विनायक रजीडेन्सी, वैशाली नगर, जयपुर।